राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,25जून-2021 वर्ष-4, अंक -152पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोनिया ने टीकाकरण की गति को लेकर चिंता जताई

तीसरी लहर की तैयारी और बच्चों की सुरक्षा पर जोर दिया

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने देश में कोरोना रोधी टीकाकरण की गति को लेकर चिंता प्रकट करते हुए कहा कि महामारी की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए तीव्रता से तैयारी करने और विशेषकर बच्चों की सुरक्षा के लिए कदम उठाए जाने की जरूरत है। उन्होंने पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारियों की डिजिटल बैठक में यह टिप्पणी की। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट कर बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने महासचिवों और प्रभारियों की बैठक को संबोधित किया। टीकाकरण की गति को लेकर उन्होंने गहरी चिंता प्रकट की। कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर को लेकर तैयारी करने और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर उन्होंने अधिक जोर दिया। सोनिया गांधी की अगुवाई में चल रही इस बैठक में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी जैसे मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जाएगी। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस डिजिटल बैठक में कांग्रेस के नेता पार्टी के प्रस्तावित संपर्क अभियान पर भी चर्चा करेंगे। इस बैठक में पेट्रोल-डीजल और जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के संदर्भ में आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। बैठक में कोविड के मौजूदा हालात और आर्थिक स्थिति पर भी चर्चा होगी। इस बैठक के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों की भी बैठक बुलाई जाएगी। सोनिया गांधी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ यह बैठक संसद के मॉनसून सत्र से पहले बुलाई है। मॉनसून सत्र जुलाई में हो सकता है। कांग्रेस पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के मुद्दे को लेकर पिछले कुछ हफ्तों से सरकार पर लगातार हमले कर रही है।

हम लगभग 80 फीसद खिलौने आयात करते हैं, इसे बदलने की जरुरत

Toycathon 2021 के प्रतिभागियों से बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टायकैथन-2021 के प्रतिभागियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत कर रहे हैं। फिलहाल प्रतिभागी प्रधानमंत्री को अपने अपने गेम्स के बारे में जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने इन्हें और बेहतर करने के लिए सुझाव दिए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक खिलौना बाजार करीब 100 बिलियन डॉलर का है। इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ डेढ़ बिलियन डॉलर के आसपास ही है। आज हम अपनी आवश्यकता के भी लगभग 80 प्रतिशत खिलौने आयात करते हैं। यानि इन पर देश के करोड़ों रुपये बाहर जा रहे हैं। इस स्थिति को बदलना ज़रूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान यह भी कहा कि खिलौने और खेल हमारी मानसिक शक्ति, सृजनात्मकता, अर्थव्यवस्था और ऐसे अनेक पहलुओं को प्रभावित करते हैं, इसलिए इन विषयों की बात भी उतनी ही आवश्यक है। भारत के वर्तमान सामर्थ्य को, भारत की कला-संस्कृति को, भारत के समाज को आज दुनिया ज्यादा बेहतर तरीके से समझना चाहती है। इसमें हमारी खिलौने और गेमिंग इंडस्ट्री बहुत बड़ी भूमिका निभा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जितने भी ऑनलाइन या डिजिटल गेम्स मार्केट में उपलब्ध हैं, उनमें से अधिकतर का कॉन्सेप्ट भारतीय नहीं है। अनेक गेम्स के कॉन्सेप्ट या तो हिंसा को प्रमोट करते हैं या फिर मानसिक तनाव का कारण बनते हैं। हमारा दायित्व है कि ऐसे

वैकल्पिक कॉन्सेप्ट? डिजाइन हों जिसमें भारत का मूल चिंतन हो। हमारा फोकस ऐसे खिलौने और खेल का निर्माण करने पर भी हो, जो हमारी युवा पीढ़ी को भारतीयता के हर पहलू को रोचक तरीके से बताए। हमारे खिलौने और खेल, मनोरंजन भी करें संलग्न भी करें और शिक्षित भी करें, ये हमें सुनिश्चित करना है। बीते 5-6 वर्षों में हैकाथॉन को देश की समस्याओं के समाधान का एक बड़ा प्लेटफॉर्म बनाया गया है। इसके पीछे की सोच है- देश के सामर्थ्य को संगठित करना, उसे एक माध्यम देना। कोशिश ये है कि देश की चुनौतियों और समाधान से हमारे नौजवान का सीधा कनेक्ट हो।

तीन दिवसीय आनलाइन टायकैथन ग्रैंड फिनाले-पीएमओ के अनुसार, शिक्षा मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय सहित कई अन्य मंत्रालयों ने पांच जनवरी को टायकैथन-2021 की संयुक्त रूप से शुरुआत की थी। देश से लगभग 1.2 लाख प्रतिभागियों ने इसके लिए रजिस्ट्रेशन कराकर 17 हजार से अधिक नए विचार रखे। इनमें से 1,567 विचारों को 22 जून से 24 जून तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय आनलाइन टायकैथन ग्रैंड फिनाले के लिए चुना गया।

टायकैथन-2021 का उद्देश्य भारत में खिलौना उद्योग को बढ़ावा देना है

कोरोना संबंधी प्रतिबंधों के चलते इस कार्यक्रम में डिजिटल खिलौनों को लेकर विचार रखने वाली टीमें शामिल होंगी, जबकि गैर-डिजिटल खिलौनों की अवधारणाओं के लिए एक अलग समारोह आयोजित किया जाएगा, जो आनलाइन नहीं होगा। गौरतलब है कि भारत के घरेलू बाजार के साथ ही वैश्विक खिलौना बाजार देश में विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर पैदा करता है। टायकैथन-2021 का उद्देश्य भारत में खिलौना उद्योग को बढ़ावा देना है।

मीडिया ने हाइप दी, पर नतीजा कुछ न निकला...

शरद पवार की मीटिंग पर शिवसेना ने कसा तंज

मुंबई। शरद पवार की ओर से गैर-कांग्रेसी और गैर-भाजपा दलों की मीटिंग को लेकर शिवसेना ने तंज कसा है। महाराष्ट्र में शरद पवार की पार्टी एनसीपी संग सरकार चला रही शिवसेना ने कहा है कि इस मीटिंग को जितना मीडिया हाइप दिया गया था, उस हिसाब से कुछ भी फायदा नहीं हुआ है। शिवसेना के मुखपत्र सामना में लिखा गया है, 'राष्ट्र मंच के नाम से विपक्षी दलों के एक समूह की मीटिंग दिल्ली में शरद पवार के घर पर बुलाई गई थी। लेकिन इस मीटिंग का नतीजा कुछ नहीं निकला, जितना कि मीडिया ने इसे हाइप दिया था।' यही नहीं अखबार ने लिखा है कि पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी के विरोध के नाम पर कुछ ही नेता इस मीटिंग में इकट्ठा हुए थे। इस मीटिंग में शिवसेना को आमंत्रित नहीं किया गया था। इस संबंध में सवाल पूछे जाने पर शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा था कि शरद पवार बड़े नेता हैं और उन्हें तमाम लोग सलाह देते रहते हैं। इस मीटिंग को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे थे और मोदी सरकार एवं बीजेपी के खिलाफ विकल्प देने की बातें भी की जा रही थीं। हालांकि शरद पवार के दफ्तर की ओर से इसे खारिज कर दिया गया था। 'सामना' ने गुरुवार को मीटिंग को लेकर लिखा, जयंत चौधरी, उमर अब्दुल्ला, नीलोत्पल बसु, पूर्व जज एपी शाह, पवन वर्मा, आम आदमी पार्टी के सुशील गुप्ता और सुधींद्र कुलकर्णी जैसे लोग इस मीटिंग में थे। क्या पीएम मोदी और बीजेपी के खिलाफ एक गठबंधन बनाना ही विपक्ष की ऐसी एकजुटता का मकसद है। सामना के संपादकीय में कहा गया कि आज देश के सामने इस सरकार की वजह से समस्याओं का पहाड़ खड़ा है। लेकिन इसके साथ ही शिवसेना के मुखपत्र में विपक्षी दलों को भी नसीहत दी गई है। सामना में लिखा गया, वैकल्पिक नेतृत्व को लेकर आखिर आइडिया क्या है? कोई भी यह नहीं बता सकता। विपक्षी दलों को एकजुट होना चाहिए। यह संसदीय लोकतंत्र की जरूरत है।

कोरोना संक्रमण का खतरा बरकरार

फिर भी मास्क पहनने को लेकर गंभीर नहीं लोग

नई दिल्ली। डाक्टरों ने कोरोना से बचाव के लिए मास्क पहनने और शारीरिक दूरी अपनाने की सलाह दी है। लेकिन देश के कई हिस्सों में या तो लोग मास्क नहीं पहन रहे हैं या फिर दिखावे के लिए ठोढ़ी पर लटका रखते हैं। यह हालत तब है जब अत्यधिक संक्रामक डेल्टा प्लस वैरिएंट ने कई शहरों में दस्तक दे दी है और विज्ञानियों ने तीसरी लहर के छह से आठ सप्ताह में आने की चेतावनी जारी की है। लोगों के मास्क पहनने की प्रवृत्ति को लेकर लोकल सर्किल ने एक सर्वे किया। इस दौरान यह पता लगाने का प्रयास किया गया कि टीकाकरण केंद्रों सहित शहरों और जिलों में लोग मास्क पहनने का कितना पालन कर रहे हैं। इस दौरान 312 जिलों के 33,000 से अधिक नागरिकों से उनकी प्रतिक्रियाएं ली गईं।

मास्क पहनने से 30 फीसद कम हो जाता है संक्रमण का जोखिम- स्वास्थ्य मंत्रलय द्वारा

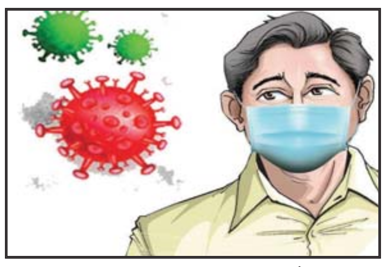

जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि दो व्यक्तियों के मास्क नहीं पहनने और पर्याप्त शारीरिक दूरी नहीं रखने से संक्रमण का खतरा 90 फीसद होता है। हालांकि अगर गैर संक्रामक व्यक्ति मास्क पहनता है तो संक्रमण का जोखिम 30 फीसद तक कम हो जाता है। गाइडलाइन में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि ड्रापलेट्स और एरोसोल से संक्रमित होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है, क्योंकि यह हवा में 10 मीटर दूर तक जा सकती हैं। अगर इन प्रोटोकाल का पालन नहीं किया जाता है कि कोरोना संक्रमण के कुछ थोड़े लोगों से बहुत बड़ी आबादी में फैलने का खतरा रहता है।

सुपरस्प्रेडर का जरिया बन रहे टीकाकरण केंद्र-देश में टीकाकरण अभियान जोरों पर है। कई केंद्रों पर भीड़ के साथ अराजकता का भी माहौल देखने को मिल रहा है। केरल में तो टीकाकरण केंद्रों पर उमड़ रही भीड़ का हाई कोर्ट को स्वत संज्ञान लेना पड़ा। जिसके बाद प्रदेश सरकार ने आन स्पाट रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बंद कर दी। लोकल सर्किल से बात करते हुए अधिकांश लोगों ने कहा कि टीकाकरण के बाद वह कोरोना से संक्रमित हो गए। विशेषज्ञों के मुताबिक मास्क प्रोटोकाल का पालन नहीं किए जाने के चलते टीकाकरण केंद्र सुपरस्प्रेडर का जरिया बन रहे हैं।

इंफोसिस के पूर्व सीईओ के नेतृत्व में नौकरशाही में बड़े सुधार की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 'मिशन कर्मयोगी' के तहत नौकरशाही में महत्वपूर्ण सुधार की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए तकनीकी और प्रबंधन क्षेत्रों से जुड़े दिग्गजों की सेवा ली जा रही है। सरकार ने इसके लिए इंफोसिस के पूर्व सीईओ एसडी शिबू लाल की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय टास्क फोर्स गठित कर दी। कार्मिक मंत्रालय के अनुसार, टास्क फोर्स में लाल के अलावा ग्लोबल मैनेजमेंट कंसल्टिंग ग्रुप इगॉन जेहंदर के गोविंद अय्यर और एचआर टेक कंपनी पीपुल स्ट्रांग समूह के सीईओ पंकज बंसल इसके सदस्य होंगे। वहीं कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग से जुड़े क्षमता निर्माण आयोग के चेयरमैन आदिल जैनुलभाई विशेष आमंत्रित सदस्य होंगे जो टास्क फोर्स के साथ चर्चा करेंगे। टास्क फोर्स को पूरी छूट दी गई है और

इस पर छह महीने में अपनी रिपोर्ट दे देगी।

इस सॉफ्टवेयर की मदद से होगी वेंटिलेटर की आवश्यकता वाले रोगियों की पहचान

नई दिल्ली। एक सॉफ्टवेयर अब उन रोगियों की पहचान कर सकता है जिन्हें आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत है। समय रहते मरीज को रेफर करने से आपात स्थिति से पहले आवश्यक व्यवस्था करने में मदद मिलेगी। कोविड सेविरिटी स्कोर (सीएसएस) सॉफ्टवेयर नामक सॉफ्टवेयर में एक एल्गोरिथ्म है जो कारोना मरीजों को मापदंडों के एक सेट से मापता है। यह प्रत्येक रोगी के लिए एक पूर्व-निर्धारित डायनेमिक एल्गोरिथ्म के सहारे कई बार स्कोर करता है और एक ग्राफिकल ट्रेंड में इसे मैप करने के लिए एक कोविड सेविरिटी स्कोर (सीएसएस) देता है। इस सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी का उपयोग कोलकाता और उपनगरों में तीन सामुदायिक कोविड देखभाल केंद्रों में किया जा रहा है, जिसमें कोलकाता के बैरकपुर में एक 100-बेड का सरकारी कोविड देखभाल केंद्र भी शामिल है।कोरोना महामारी के दौरान अचानक आईसीयू और अन्य आपातकालीन आवश्यकताओं को पूरा करना अस्पतालों के लिए एक चुनौती रही है। ऐसी स्थितियों के बारे में समय पर जानकारी स्वास्थ्य संकट को बेहतर ढंग से प्रबंधन करने में मदद करेगी। फाउंडेशन फॉर इनोवेशन इन हेल्थ, कोलकाता, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के साइंस फॉर इक्विटी, एम्पावरमेंट एंड डेवलपमेंट (सीड) के समर्थन और आईआईटी गुवाहाटी के साथ सहभागिता कर डॉ. केविन धालीवाल, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय और डॉ. सायंतन बंदोपाध्याय, पूर्व में डब्ल्यूएचओ (दक्षिण एशिया क्षेत्रीय कार्यालय) के सहयोग से एक एल्गोरिथम विकसित किया है जो लक्षणों, संकेतों, महत्वपूर्ण मापदंडों, परीक्षण रिपोर्ट और कोविड संक्रमित रोगी के संक्रमण को मापता है और प्रत्येक को एक पूर्व-निर्धारित डायनेमिक एल्गोरिथ्म के सहारे स्कोर करता है। इस प्रकार एक कोविड सेविरिटी स्कोर (सीएसएस) देता है। राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) मॉडल में प्रशिक्षित और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), भारत सरकार द्वारा प्रमाणित फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को इन सभी मापदंडों को एक टैबलेट कंप्यूटर में रिकॉर्ड करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जिसमें सॉफ्टवेयर लोड होता है। सीएसएस को नियमित रूप से रिमोट बैठे स्पेशलिस्ट डॉक्टरों द्वारा कई बार निगरानी की जाती है, जिससे प्रत्येक मरीज के लिए डॉक्टर के परामर्श का समय कम हो जाता है और डॉक्टरों को मरीज को देखने के लिए आने की आवश्यकता कम हो जाती है। यह एक आईसीयू और रेफरल में वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत वाले रोगियों की शीघ्र पहचान में मदद कर सकता है, उन लोगों के लिए अस्पताल रेफरल को कम कर सकता है जिन्हें गंभीर देखभाल सहायता की आवश्यकता नहीं है, इस प्रकार अस्पताल में अधिक बेड की उपलब्धता हो पाएगी।

कितना खतरनाक है डेल्टा प्लस वेरिएंट, वैक्सीन भी बेअसर ?

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के डेल्टा प्लस वेरिएंट के उभार ने एक बार फिर भारत से लेकर दुनियाभर कि सरकारों और विशेषज्ञों को चिंता में डाल दिया है। डेल्टा प्लस वेरिएंट डेल्टा का म्यूटेशन से आया है। डेल्टा को भारत में दूसरी लहर में तबाही के लिए जिम्मेदार माना जाता है। डेल्टा प्लस वेरिएंट के केस 11 देशों में मिल चुके हैं और यह अल्फा की तुलना में 35-60 फीसदी अधिक संक्रामक है। आइए जानते हैं डेल्टा प्लस से कितना खतरा है और क्या यह तीसरी लहर के लिए जिम्मेदार हो सकता है।

डेल्टा प्लस वेरिएंट क्या है?

यह नया स्वरूप डेल्टा प्लस (एवाई.1) भारत में सबसे पहले सामने आए डेल्टा (क्1.617.2) में म्यूटेशन से बना है। इसके अलावा च41ह नाम का म्यूटेशन जो दक्षिण अफ्रीका में बीटा वेरिएंट में पाया गया था उससे भी इसके लक्षण मिलते हैं। इसलिए यह ज्यादा खतरनाक है।

क्या इस पर वैक्सीन काम नहीं करती है?-भारत के शीर्ष विषाणु विज्ञानी और इंडियन सार्स-कोव-2 जीनोम सिक्वेंसिंग कंसोर्टियम के पूर्व सदस्य प्रोफेसर शाहिद जमील ने कहा है कि डेल्टा प्लस वेरिएंट वैक्सीन और इम्युनिटी दोनों को चकमा दे सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि डेल्टा प्लस में वे सारे लक्षण हैं जो डेल्टा वेरिएंट में थे। साथी ही बीटा वेरिएंट के लक्षण भी इसमें हैं। हमें पता है कि वैक्सीन का असर बीटा वेरिएंट पर कम है। बीटा वेरिएंट वैक्सीन को चकमा देने में अल्फा और डेल्टा वेरिएंट से ज्यादा तेज है। हालांकि, सरकार ने अध्ययनों के हवाले से कहा है कि डेल्टा वेरिएंट पर कोविशील्ड और

कोवैक्सीन प्रभावी है।

सरकार और WHO इसे कितना गंभीर मानते हैं?

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भारतीय सार्स कोव-2 जनोमिक्स कंसोर्टियम के हवाले से डेल्टा प्लस को वर्तमान में चिंताजनक बताया है। दरअसल, वायरस के किसी वेरिएंट तब चिंताजनक बताया जाता है जब वह अधिक संक्रामक हो और गंभीर रूप से बीमार कर सकता है। डब्ल्यूएचओ भी इस पर नजर बनाए हुए है।

देश और दुनिया में इसके कितने केस?

भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, जापान, नेपाल, पोलैंड, पुर्तगाल, रूस, स्विट्जरलैंड और तुर्की में करीब 200 केस मिल चुके हैं। हालांकि, भारत और ब्रिटेन में इससे मौत का कोई मामला सामने नहीं आया है। भारत में डेल्टा प्लस वेरिएंट को पहली बार 11 जून को पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड बुलेटिन में रिपोर्ट किया गया था। वहीं, कोविड टास्क फोर्स के प्रमुख वीके पॉले के मुताबिक, वेरिएंट के मामले मार्च में यूरोप में सामने आए थे।

क्या यह तीसरी लहर का कारण बन सकता है?

इसको लेकर कोई पुख्ता अध्ययन नहीं हुआ है। लेकिन महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग ने पिछले सप्ताह प्रजेंटेशन दिया था जिसमें कहा था कि डेल्टा प्लस राज्य में कोरोना की तीसरी लहर का कारण बन सकता है।

क्या इसके लक्षण अलग हैं?

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक डेल्टा प्लस काफी संक्रामक है और फेफड़े की कोशिकाओं के रिसेप्टर से मजबूती से चिपकने में सक्षम है। इसकी वजह से फेफड़े को जल्द नुकसान पहुंचने की संभावना होती है। साथ ही यह मोनोक्लोनल एंडीबॉडी कॉकटेल को भी मात देने में सक्षम है।

सतर्क रहने की जरूरत-गुलेरिया

भारत में डेल्टा प्लस वेरिएंट का प्रसार सीमित है, लेकिन हमें सतर्क रहने की जरूरत है। कोविड प्रोटोकॉल का पालन करके इससे काफी हद तक बचा जा सकता है। डेल्टा प्लस समेत दूसरे वेरिएंट के मद्देनजर अगले 6-8 हफ्ते बेहद महत्वपूर्ण हैं। डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ कोवैक्सीन और कोविशील्ड असरदार हैं। वैक्सीनेशन के बाद अस्पतालों में भर्ती होने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

डेल्टा प्लस से खतरा

भारत में कोरोना की तीसरी लहर का खतरा दरवाजे खटखटाने लगा है। यह न केवल सजगता, बल्कि संकट से उबरने के लिए ज्यादा ईमानदार कदम उठाने का समय है। शुरुआती आंकड़े बताते हैं कि कोरोना के डेल्टा प्लस वेरिएंट के देश में अब तक 40 मामले मिल चुके हैं। महाराष्ट्र में चिंता सर्वाधिक है। महाराष्ट्र में कोविड कार्यबल का कहना है कि अभी इसे लेकर चिंता करने के लिए पर्याप्त आंकड़े नहीं मिल पाए हैं। यह चिंता वाली बात है। अव्वल तो कोरोना के किसी भी मामले को गणना से वंचित नहीं रहने देना चाहिए और शुरुआती रूप से बहुत खतरनाक बताए जा रहे डेल्टा प्लस के मामलों के प्रति तो और सजग रहने की जरूरत है। एक-एक मामला दर्ज होना चाहिए, ताकि उसकी निगरानी व इलाज में सुविधा हो। इस वेरिएंट को फैलने से रोकने के लिए यह जरूरी है कि रोगी को फौरन क्वारंटीन किया जाए, ताकि उसके इलाज और उस पर होने वाले चिकित्सकीय शोध से सुनिश्चित लाभ मिले और इस वेरिएंट को फैलने से रोका जा सके। ध्यान रहे, डेल्टा वेरिएंट को हम शुरू में रोकने में नाकाम रहे और इसने देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। डेल्टा प्लस के समय में हमें वही गलती दोहराने से बचना चाहिए। महाराष्ट्र के कोविड-19 कार्यबल के सदस्य डॉक्टर शशांक जोशी ने उचित ही चेताया है कि लोगों को कोविड-19 संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करने, मास्क पहनने, भीड़भाड़ से बचने और टीका लगवाने की जरूरत है। लेकिन आज यह बड़ा सवाल है कि क्या लोग दिशा-निर्देशों की पालना कर रहे हैं? कितने लोग मास्क पहन रहे हैं? क्या टीका लगाने या लगवाने में तेजी आई है? यह बहुत अफसोस की बात है कि हम तीसरी लहर की आशंका के बावजूद उतने सतर्क नहीं हैं, जितना हमें होना चाहिए। अत्यधिक संक्रामक माने जा रहे डेल्टा प्लस के 21 मामले अकेले महाराष्ट्र में मिले हैं। सर्वाधिक नौ मामले रत्नागिरि जिले में हैं, जबकि दो मामले मुंबई में। चूंकि महाराष्ट्र व्यावसायिक रूप से देश का नेतृत्व करने वाला राज्य है, इसलिए उसका देश के सभी राज्यों से भरपूर जुड़ाव है। अत- मुंबई और महाराष्ट्र में ही अगर इस वेरिएंट को रोकने की कवायद ईमानदारी से की गई, तो इस वेरिएंट को बेकाबू होने से रोका जा सकेगा। आधिकारिक रूप से मध्य प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में भी डेल्टा प्लस वेरिएंट के मामले सामने आ चुके हैं। क्या इन राज्यों में सतर्कता बढ़ी है? क्या दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन हो रहा है? लोगों को लगातार जागरूक करते रहना होगा। सबसे जरूरी है कि चिकित्सक सावधान और तैयार रहें। अभी इस वेरिएंट के ज्यादा खतरनाक होने की चर्चा की जा रही है, पर यह कितना खतरनाक होगा, अभी चिकित्सक स्पष्ट नहीं बता रहे हैं। संक्रमित लोगों के आंकड़ों के अध्ययन से ही इस वेरिएंट की गंभीरता का अंदाजा लगेगा। विशेषज्ञ जल्दी से जल्दी इसकी गंभीरता का ठोस पता लगाएं और बचाव व इलाज पर पूरी मुस्तैदी से जोर दिया जाए, तो हम तीसरी लहर को खतरनाक बनने से रोक सकेंगे। कोरोना वायरस का डेल्टा प्लस स्वरूप भारत के अलावा, अमेरिका, ब्रिटेन, पुर्तगाल, स्विट्जरलैंड, जापान, पोलैंड, नेपाल, चीन और रूस में भी मिला है। हमारे देश के डॉक्टरों को यह जरूर देखना होगा कि ये देश कैसे मुकाबला कर रहे हैं।

'आज के ट्वीट

सोच

'आदमी उतना ही बड़ा कर सकता है जितना बड़ा वो सोच सकता है।'

-- विवेक बिन्द्रा

चीनी कर्ज के जाल में फंसता पाक

जी. पार्थसारथी

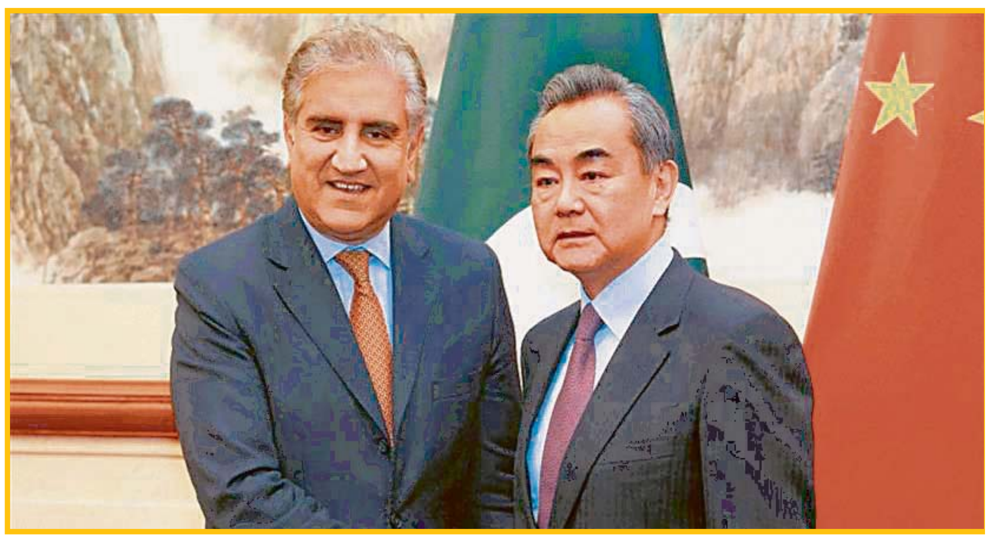

ढाका में आत्मसमर्पण के पांच दशक बाद पाकिस्तानियों ने पाया है कि जिस पश्चिमी पाकिस्तान को बेतरह दबाकर गरीब-गुरबा बना रखा था, वह आज उत्तरोतर गतिशील और सम्पन्नता की ओर उन्मुख है। करीब 16 करोड़ की आबादी वाला बांग्लादेश अब दक्षिण एशिया की फलती-फूलती आर्थिकियों को टक्कर दे रहा है। पिछले दो दशकों से इसकी सालाना आर्थिक विकास दर 6 प्रतिशत बनी हुई है। यहां तक कि कोविड महामारी जैसी वैश्विक चुनौती के बावजूद एशियन विकास बैंक का अनुमान है कि बांग्लादेश की आर्थिक वृद्धि दर वर्ष 2021 में 6.8 फीसदी और 2022 में 7.2 प्रतिशत रहेगी। जबकि पाकिस्तान, जो अपने इस पूर्व हिस्से को सताने में परपीड़क आनंद लेता था, आज खुद विदेशी खैरात पर निर्भर है। वैश्विक महामारी आने से पहले वर्षों में उसकी वार्षिक आर्थिक वृद्धि दर 3.5 फीसदी के करीब थी। बांग्लादेश अन्य सूचकांकों में भी पाकिस्तान से काफी आगे है, मसलन मानव विकास, महिला साक्षरता और शिक्षा। कुल 45 बिलियन डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार के साथ बांग्लादेश बहुत अच्छी स्थिति में है और हाल ही में श्रीलंका के साथ 20 करोड़ डॉलर मूल्य की मुद्राओं का आदान-प्रदान किया है। पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसिंगर ने कभी बांग्लादेश के जन्म के समय उसका भविष्य 'बास्केट केस' (दानपात्र) बने रहना बताया था यानी जो अधिकाशंत: विदेशी खैरातों पर पलेगा, शायद अब किसिंगर अपनी अभद्र टिप्पणी में सुधार करना चाहेंगे! हमने देखा है कि म्यांमार से आए लाखों रोहिंग्या शरणार्थियों की देखभाल करने में कोर-कसर नहीं छोड़ने वाले बांग्लादेश ने आर्थिक तौर पर पाकिस्तान को पछाड़ दिया है। इसकी बनिस्बत, पाकिस्तान के संबंध अपने लगभग तमाम पड़ोसी मुल्कों के साथ असहज हैं, खासकर भारत और अफगानिस्तान के साथ। पाकिस्तान द्वारा ईरान के असंतुष्ट तत्वों की सीमा-पारीय मदद करने की वजह से वह भी उससे खासा नाराज़ है। अब पाकिस्तान न केवल आर्थिक रूप से बांग्लादेश से पिछड़ चुका है, बल्कि खुद एक अतंर्राष्ट्रीय 'बास्केट केस' बन चुका है, जो आज विश्व मुद्रा कोष, विश्व बैंक, एशियन विकास बैंक और अपने सदाबहार दोस्त चीन के आगे पैसे के लिए गिड़गिड़ा रहा है। एक समय था जब अरब की खाड़ी के मुल्क सउदी अरब और यूएई ने पाकिस्तान की काफी आर्थिक मदद की थी लेकिन अब वे भी उसकी हरकतों की वजह से कतराने लगे हैं। पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान की आर्थिक मुश्किलों में बेतरह इजाफा हुआ है। कुल बाहरी घाटा वर्ष 2013 में 44.35 बिलियन डॉलर से बढ़कर अप्रैल, 2021 में 90.12 बिलियन डॉलर पार कर गया है। चीन से लिया कर्ज हालिया समय में 9.3 फीसदी से बढ़कर अप्रैल, 2021 में 27.4 प्रतिशत पहुंच गया है। यह तो सरकारी आंकड़े हैं, जरूरी नहीं तेजी से बढ़ते चीनी कर्ज की वास्तविक स्थिति दर्शाते हों। पाक-अधिकृत कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान इलाके को ग्वादर बंदरगाह से जोड़ने हेतु 65 बिलियन डॉलर की लागत वाला चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा पूरा होने के बाद चीनी कर्ज की मात्रा में बहुत ज्यादा इजाफा हो जाएगा। इस गलियारे की सुविधा पाकिस्तान से ज्यादा खुद चीन लिए कहीं ज्यादा फायदेमंद होगी, क्योंकि इसको बनाने के लिए उठाया गया भारी भरकम ऋण पाकिस्तान को ही चुकाना है। ग्वादर अब एक तरह से चीनी बंदरगाह है, यह केवल वक्त की बात है जब चीनी इसको पूरी तरह अपने नियंत्रण में ले लेंगे, अभी भी वहां कौन आ सकता है या नहीं, इसका फैसला वही कर रहे हैं। चीन के लिए ग्वादर सामरिक लिहाज से एक अति महत्वपूर्ण नौसैन्य अड्डा बनने जा रहा है। चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा योजना के तहत चीनियों ने गिलगित-बाल्टिस्तान से लेकर ग्वादर तक के मार्ग में पड़ने वाली दीगर अनेकानेक संबंधित परियोजनाएं बनाई हैं, लिहाजा उसकी एवज में यह होना ही था। इस बात का पूरा अंदेशा है कि जिस कदर पाकिस्तान अपनी हैसियत से ज्यादा कर्ज उठा रहा है, उससे ग्वादर का हश्र श्रीलंका के दक्षिणी भाग में स्थित हम्बनतोता बंदरगाह वाला होकर रहेगा। कर्ज चुकता न किए जाने के बदले जो अब लगभग चीन की मल्कियत है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का शिलान्यास मई, 2013 में हुआ। ले. जनरल असीम सलीम बाजवा को परियोजना क्रियान्वन समिति का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद उनके परिवार सदस्यों पर विदेशों में काफी धन-जायदाद इकट्ठा करने के आरोपों से लगभग पूरी परियोजना विवादग्रस्त हो चुकी है। सउदी अरब ने ग्वादर बंदरगाह परियोजना के विकास में लगभग 10 बिलियन डॉलर लगाने की सोची थी लेकिन अब संकेत दिया है कि इस धन का निवेश कराची में किया जाएगा। सउदी अरब को भली-भांति पता है कि चीन उसके मुख्य विरोधी और प्रतिद्वंद्वी मुल्क ईरान में 25 बिलियन डॉलर का भारी-भरकम निवेश करने जा रहा है और ग्वादर बंदरगाह ईरानी तटों के काफी पास है। उम्मीद थी कि ट्रंप के बाद अमेरिका से बरतने में पाकिस्तान नरमी से पेश आएगा लेकिन इसकी बजाय इमरान खान और उनके वफादार बढ़-चढ़कर बाइडेन प्रशासन की आलोचना और शर्मिंदा करने वाली बयानबाजी दाग रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री बलिन्केन, रक्षा मंत्री ऑस्टिन, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सलिवेन और सीआईए निदेशक विलियम्स बर्नस अपने पाकिस्तानी समकक्षों और सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा से साथ अलग-अलग बैठकें कर रहे हैं। पाकिस्तान ने 'सख्ती' से अमेरिका को बता दिया है कि वह अफगानिस्तान के विरुद्ध कार्रवाई करने को अपनी जमीन का उपयोग अड्डा बनाने के लिए नहीं करने देगा। पाकिस्तानी सेना जो अमेरिका के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की हिमायती रही है, वह भी हैरान होगी कि आखिर चल क्या रहा है, क्योंकि अमेरिका से आने वाला हर बड़ा ओहदेदार सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा के दरबार में पहुंचकर हाजिरी लगवा रहा है, बाजवा के बारे में समझा जाता है कि उन्हें भी अफगानिस्तान में बनने वाली अस्थिरता और उथल-पुथल पर चिंता है। अमेरिकी फौज के पलायन के बाद अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर पाकिस्तान अपना ध्यान पूरी तरह केंद्रित करेगा। तालिबान एक बार फिर अफगानिस्तान पर अपना राज बनाने को दृढ़ संकल्प हैं। वह सत्ता को किसी और से बांटने को भी राजी नहीं है। हालांकि, तालिबान को काबुल की ओर बढ़ने की राह में प्रखर होते प्रतिरोध का सामना करना होगा। गैर-पश्तून इलाकों में भी उसे भारी विरोध मिलेगा। जहां एक ओर पाकिस्तान बिना शक अपने बनाए चेलों तालिबान की पीठ पर हाथ रखेगा, वहीं अफगान सीमा से लगते अपने पश्तून इलाके में आगे इन्हीं तत्वों द्वारा गड़बड़ के लिए तैयार रहना होगा। आरंभिक हिचक के बाद आखिरकार ईरान को भी संघर्ष में कूदना पड़ सकता है। भारत को सलाह है कि अफगानिस्तान के अपने मित्रों के साथ संपर्क में रहते हुए वहां धधकते गृह युद्ध में सीधी शमूलियत से एक हाथ की दूरी बनाए रखे। इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार से अर्थपूर्ण संबंध बनाना संभव नहीं है। तथापि पाकिस्तान के साथ पर्दे के पीछे वाले संपर्क जारी रखे जाएं। भारत को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आतंकी गुटों के सरगनाओं को जारी पाकिस्तानी समर्थन के मद्देनजर अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय कार्यबल (एफएटीएफ) उसे बख्शने न पाए। यह भी देखना होगा कि संसद और मुंबई में आतंकी हमलों के जिम्मेवार मसूद अज़हर और हफीज़ मोहम्मद सईद पाकिस्तान की एफएटीएफ से बैठक से पहले अचानक गायब कैसे हो गए!

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

बोलना ही बंधन है

श्रीराम शर्मा आचार्य

एक राजा के यहां एक राजकुमार ने जन्म लिया। राजकुमार स्वभाव से ही कम बोलते थे। राजकुमार जब युवा हुआ तब भी अपनी उसी आदत के साथ मौन ही रहता था, कुछ भी नहीं बोलता था। राजा अपने राजकुमार की चुप्पी से परेशान रहते थे कि आखिर ये बोलता क्यों नहीं है। आखिर ऐसा क्या हो गया है कि यह हमेशा चुप ही रहता है। राजा दिन-रात इसी चिंता में रहते थे कि राजकुमार की चुप रहने की आदत कब छूटेगी? राजा ने कई ज्योतिषियों, साधु-महात्माओं एवं चिकित्सकों को उन्हें दिखाया, उनसे सलाह ली, परन्तु कोई समाधान नहीं निकला। संतों ने कहा कि ऐसा लगता है पिछले जन्म में ये राजकुमार कोई साधु थे, जिस वजह से इनके संस्कार इस जन्म में भी साधुओं के मौन व्रत जैसे हैं। राजा ऐसी बातों से संतुष्ट नहीं हुए। एक दिन राजकुमार को राजा के मंत्री बगीचे में टहला रहे थे। उसी समय एक कौवा पेड़ की डाल पर बैठ कर कांव-कांव करने लगा। मंत्री ने सोचा कि कौवे कि आवाज से राजकुमार परेशान होंगे इसलिए मंत्री ने कौवे को तीर से मार दिया। तीर लगते ही कौवा जमीन पर गिर गया। तब राजकुमार कौवे के पास जा कर बोले कि यदि तुम नहीं बोले होते तो नहीं मारे जाते। इतना सुन कर मंत्री बड़ा खुश हुआ कि राजकुमार आज बोले हैं और तत्काल ही राजा के पास ये खबर पहुंचा दी। राजा भी बहुत खुश हुआ और मंत्री को खूब ढेर-सारा उपहार दिया। कई दिन बीत जाने के बाद भी राजककुमार चुप ही रहते थे। राजा को मंत्री की बात पे संदेह हो गया और गुस्सा कर राजा ने मंत्री को फांसी पर लटकाने का हुक्म दिया। इतना सुन कर मंत्री दौड़ते हुए राजकुमार के पास आया और कहा कि उस दिन तो आप बोले थे परन्तु अब नहीं बोलते हैं। मैं तो कुछ देर में राजा के हुक्म से फांसी पर लटका दिया जाऊंगा। मंत्री की बात सुन कर राजकुमार बोले कि यदि तुम भी नहीं बोले होते तो आज तुम्हें भी फांसी का हुक्म नहीं होता। बोलना ही बंधन है। जब भी बोलो उचित और सत्य बोलो अन्यथा मौन रहो। जीवन में बहुत से विवाद का मुख्य कारण अत्यधिक बोलना ही है। एक चुप्पी हजारों कलह का नाश करती है। राजा छिप कर राजकुमार की ये बातें सुन रहा था, उसे भी इस बात का ज्ञान हुआ और राजकुमार को पुत्र रूप में प्राप्त कर गर्व भी हुआ। उसने मंत्री को फांसी मुक्त कर दिया।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

यही तो है घोर आश्चर्य

प्रकाशनार्थ आलेख(व्यंग्य)/ - डॉ. दीपक आचार्य

समाज-जीवन और परिवेश में जितने अधिक आश्चर्य इन दिनों देखने को मिल रहे हैं वे पहले कभी देखे-सुने नहीं गए। हमारे पुरखों का दुर्भाग्य ही रहा कि इससे पहले बहुरंगी विचित्रताओं का ऐसा संसार कभी नहीं रहा। इस मामले में सत्, त्रेता और द्वापर युगीन लोग भी फीके पड़ गए हैं। मुफत की चाय-काफी और समोसा-कचोरी-पकौड़ी के लिए मुँह मारने, हराम का खान-पान करने मुर्गा तलाशने और मूर्ख गधों की अनुचरी करने वाले उपकृत भेड़छाप लोग राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय मुद्दों पर उपदेश झाड़ रहे हैं। अपना घर तो संभलता नहीं इनसे, और दुनिया भर की पंचायती में रमे रहते हैं। व्हाट्सअप, फेसबुक सहित तमाम प्रकार के सोशल मीडिया पर ऐसे लोगों की भरमार है। क्यों न इन सभी लोगों को समाज और दुनिया के लिए तरह-तरह का ज्ञान बाँटने की उल्लेखनीय और उत्कृष्ट सेवाओं को देखते हुए सम्मान राशि या बेरोजगारी भत्ता दिया जाए, ताकि ये और अधिक समय अपने समाज, अंचल, देश और विश्व को ज्ञान एवं उपदेश देने में कर सकें। यह इनकी परम उदारता और कृपा ही है कि जो विषय इनके कभी रहे नहीं, जिनमें इनका ज्ञान-अनुभव और दक्षता तक नहीं रही, ऐसे-ऐसे चिन्तन-मनन लायक ज्ञान से हमें समृद्ध करते रहे हैं। इस मामले में इन्होंने विषय विशेषज्ञों और आधिकारिक विद्वानों-विदुषियों को भी पछाड़ रखा है। इसे कहते हैं पूर्वजन्मार्जित मौलिक या कि आयातित ज्ञान का कमाल। अपने विश्राम और नींद के समय में भी कटौती कर रोजाना घण्टों तक कितना अधिक समय, डाटा और परिश्रम खर्च करते हुए जाने कहां-कहां से हमारे लिए ये ज्ञान और उपदेश संग्रहित कर परोसते रहे हैं। इस दिशा में इन देवदूतों का कोई सानी नहीं है। निष्काम समाजसेवा और विश्व कल्याण के लिए जी रहे इन समर्पित लोगों के प्रति हमें सदैव आभारी रहना चाहिए क्योंकि इनका अपना व्यक्तित्व, गुण, दक्षता और ज्ञान-अनुभव सब कुछ पूर्वजन्म का संचित है, इसमें वर्तमान का कोई योगदान नहीं है। ईश्वर ने इन्हें केवल हमारे ज्ञान में अभिवृद्धि करने के लिए ही धरा पर अवतरित किया है। ये ही वे महान लोग हैं जिनकी बधाइयां, शुभकामनाएं और प्रोत्साहन पाकर प्रतिभाएं सुनहरे भविष्य की ओर आगे बढ़ रही हैं, अन्यथा इन प्रतिभाओं का भविष्य ही अंधकारमय हो जाए। किसी भी प्रतिभा को प्रोत्साहन, सम्बल और सहयोग में इनकी धेले भर की कोई रुचि भले न हो पर जब कोई प्रतिभा कुछ उपलब्धि हासिल कर लेती है तब बधाइयों और शुभकामनाओं की बारिश ये इस तरह से करते रहते हैं जैसे कि इन्हीं के निर्देशन, मार्गदर्शन, सान्निध्य और सहयोग से ये प्रतिभाएं लक्ष्य पाने में सफल रही हों। किसी तरह का किंचित मात्र भी प्रत्यक्ष या परोक्ष योगदान के बिना भी इन्हीं प्रेरक और अनुकरणीय समाजसेवियों का सम्बल ही है कि इन प्रतिभाओं को प्रचार के साथ ही आगे बढ़ते रहने की असीम ताकत और अपार आत्मविश्वास प्राप्त होता रहा है। मानवीय संवेदनाओं से भरपूर ऐसे मेधावी, अनुभवी व्यक्तित्वों के कारण ही दिवंगत आत्माओं के मोक्ष पाने की राह अत्यन्त आसान हो जाती है और बिना किसी संचित पुण्य के इन दिवंगतों को इन पराक्रमी लोगों की बदौलत ही आसानी से स्वर्ग प्राप्ति हो जाती है। यह इन लोगों की परम कृपा और उदारता की कही जानी चाहिए कि इनके द्वारा प्रदत्त श्रद्धान्जलियों और संवेदनाओं की वजह से वे लोग भी मोक्ष प्राप्त कर रहे हैं जिन्हें ये न जानते हैं, न कोई नाते-रिश्तेदार हैं और न कोई दूर-दूर तक का रिश्ता। यह इन प्रज्ञावान बुद्धिजीवियों की सरलता, सहजता और निरहंकारी स्वभाव का ही परिणाम है कि ये अपने स्तर से नीचे उतर कर भेड़चाल में शामिल होकर धड़ाधड़ शोक संवेदनाओं और श्रद्धान्जलियों की बरसात करते रहे हैं। अन्यथा इस घोर कलियुग में जिन्दा लोगों और नाते-रिश्तेदारों की भी कोई परवाह नहीं करता। इनके साथ ही कुल परम्परा से सच्चे धार्मिक और नैष्ठिक उन भक्तों को भी नहीं भूलें जिन्हें मन्दिर जाने, नित्यकर्म, पूजा-पाठ, जप-अनुष्ठान और धार्मिक कार्यों को करने में कोई रुचि नहीं है, इन दिव्य कार्यों के लिए इनके पास कोई समय नहीं है, फिर भी दुनिया भर के मन्दिरों और भगवानों के फोटो भेज-भेज कर हम सभी नास्तिकों के मन में आस्था जगाने के अनथक प्रयासों में दिन-रात जुटे हुए हैं। धर्म और संस्कृति रक्षा में इनके इस अतुलनीय योगदान को सदियों तक नहीं भुलाया जा सकेगा। इसके अलावा सेहत और ज्योतिष के अपरिमित ज्ञान की बदौलत हम सभी लोग आरोग्यवान भी हो रहे हैं और छोटे-मोटे ज्योतिषी भी। इनके द्वारा भेजे जाने वाले टोने-टोटकों का ही परिणाम है कि हमारी अपनी, घर-परिवार की समस्याएं मामूली खर्च में या बिना किसी खर्च के ऐसे खत्म हो रही हैं कि कुछ कहा नहीं जा सकता। जीवन के सारे अभाव इनकी वजह से दूर होकर सब तरह की सुख-समृद्धि और आनंद संचार का अनुभव हो रहा है। वेद, पुराण, धर्म शास्त्रों और ज्ञान-विज्ञान से कोसों दूर रहने वाले सभी लोगों और समाज के लिए ये ज्ञानीजन ईश्वर के वरदान से कम नहीं हैं।विभिन्न क्षेत्रों में निष्णात ज्ञानी-अनुभवी बुजुर्ग एवं पेंशनधारी वृद्धजनों के प्रति भी हमें बहुत अधिक आभारी होना चाहिए जो कि अपने पेशे, कर्म और अपनी दक्षता से संबंधित विषयों और अनुभवों की बजाय अन्यान्य विषयों पर महत्वपूर्ण ज्ञानराशि से हमें लाभान्वित करते रहे हैं। यह उनके लोक कल्याणकारी बहुआयामी व्यक्तित्व का परिचायक होने के साथ ही समुदाय के लिए गौरव व गरिमा का विषय है। इन सभी त्वरित प्रतिक्रियावादी हस्तियों की दीर्घायु और यशस्वी जीवन के लिए भगवान से प्रार्थना करें जिनके कारण हमें दुनिया भर का चाहा-अनचाहा ज्ञान प्राप्त हो रहा है। हम रहें न रहें, अपनी संततियों को भी कहकर जाएं कि इन गौरवशाली विद्वान ज्ञानियों और उपदेशकों को यथोचित आदर-सम्मान से नवाजें क्योंकि समाज की इन धरोहरों के कारण ही हमें अपने समाज और अंचल पर गर्व है। समाज और क्षेत्र की यह जिम्मेदारी है कि ऐसे ज्ञानी उपदेशकों की मूर्तियां लगवाई जाएं, इन पर पीएच.डी. करने के अवसर सुलभ हों, इनके नाम पर अलंकरण, सम्मान और पुरस्कार स्थापित किए जाएं, हर कार्यक्रम में इन्हें अतिथियों के रूप में आमंत्रित कर वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जाए। ऐसा करके ही हम कृतज्ञ समाजजन, क्षेत्रवासी, देशवासी और दुनिया के लोग इनकी श्लाघनीय और युगीन सेवाओं से उऋण हो सकते हैं। यह हमारा सम सामयिक धर्म, फर्ज और नैतिक जिम्मेदारी है।

साल के आखिर तक रिलीज हो सकता है आईफोन 13 : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को। एक अपग्रेडेड आईफोन को पेश करने के अपने प्रयास में एप्पल की योजना इस साल के अंत तक आगामी आईफोन 13 को लॉन्च करने का है। एनालिस्ट मिंग-ची कुओ ने खुलासा किया है कि आईफोन 13 में कई स्पेसिफिकेशंस को अपग्रेड किया जा सकता है, जो अमेरिका में हुवावे के बैन होने के बाद अधिक बाजार हिस्सेदारी पर अपना कब्जा जमा सकता है। एप्पल इंसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक, मिंग-ची कुओ का मानना है कि एप्पल साल 2022 की पहली छमाही में नए 5जी आईफोन एसई को भी रिलीज कर सकता है, जिसके बाद टच आईडी डिस्प्ले और किफायती कीमतों के साथ फ्लैगशिप आईफोन 14 मॉडल को भी पेश किया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया, आईफोन एसई मौजूद आईफोन एसई की ही तरह होगा, लेकिन इसमें 5 जी सपोर्ट और एक अपग्रेडेड ए-सीरीज चिप की सुविधा होगी। कुओ ने यह भी अनुमान लगाया है कि यह अब तक का 5 जी आईफोन का सबसे सस्ता मॉडल होगा। इसके अलावा कुओ का यह भी अनुमान है कि एप्पल 2022 की दूसरी छमाही के दौरान दो हाई-एंड और दो लो-एंड आईफोन मॉडल भी जारी कर सकता है।

उड़ने वाली रेसिंग कार ने भरी पहली उड़ान

-ऑस्ट्रेलियाई कंपनी बना रही है उड़ने वाली रेस कार

नई दिल्ली। दुनिया को ऑस्ट्रेलियाई की कंपनी एक उड़ने वाली रेस कार देने वादा कर रही है जो रेसिंग ट्रैक और हवा में समान रूप से चलने सक्षम होगी। दुनिया उडने वाली कार ने पहली बार उडान भरी है। अलौदा एरोनॉ टिक्स ने हाल ही में दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया में अलौदा एमके3 फ्लाइंग कार का परीक्षण किया है, जिसकी चर्चा दुनिया भर में की जा रही है। अलौदा एमके3 फ्लाइंग कार 2021 में विश्व स्तर पर होने वाली तीन मानव रहित फ्लाइंग कार रेसों की एयरस्पीडर ईएक्सए श्रृंखला का हिस्सा है। अलौदा एमके3 को इस साल फरवरी में दुनिया के सामने पेश किया गया था और इस बार इसे पहली बार उड़ान भरते हुए देखा गया है।अलौदा एमके3 को एक सिम्युलेटर के माध्यम से दूर से नियंत्रित किया जाता है। एयरस्पीडर ईएक्सए से उम्मीद की जा रही है कि भविषय में उड़ने वाली कारों के लिए टेक्निकल टेस्ट बेड और पायलट स्किल्स को विकसित करने में मदद मिलेगी। अलौदा एमके3 को 1950 और 1960 की रेसिंग कारों के डिज़ाइन से प्रेरित होकर बनाया गया है।अलौदा एमके3 पूरी तरह से बिजली से चलती है। इसका इलेक्ट्रिक पावरट्रेन ऑडी एसक्यू7 की पावर की तुलना में 429 एचपी का पावर उत्पादन करने में सक्षम है। अलौदा एमके3 मात्र 2.8 सेकंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। अलौदा एमके3 हवा में 1,640 फीट तक जा सकती है। यह इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग में सक्षम है। इस फ्लाइंग कार का वजन केवल 130 किलोग्राम है और इसमें 80 किलोग्राम तक का वजन रखने की क्षमता है।

वित्त वर्ष 2021 में रिलायंस इंडस्ट्रीज का प्रदर्शन उम्मीदों से बेहतर : मुकेश अंबानी

नई दिल्ली।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एमडी मुकेश अंबानी ने गुरुवार को कहा कि मौजूदा महामारी के बावजूद वित्त वर्ष 2021 में कंपनी का प्रदर्शन उम्मीदों से बेहतर रहा। ऑयल-टू-टेलीकॉम दिग्गज की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए, अंबानी ने महामारी के दौरान मानवीय प्रयासों के लिए कंपनी और उसके कर्मचारियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, मुझे आपके साथ यह साझा करते हुए गर्व और नम्रता महसूस हो रही है कि पूरे कोविड संकट के दौरान, हमारा रिलायंस परिवार उद्देश्य और राष्ट्रीय कर्तव्य की भावना के साथ इस अवसर पर आगे बढ़ा है। अंबानी ने कहा, हमारा पूरा संगठन सेवा की भावना से सक्रिय हो गया है। हर एक कर्मचारी ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोविड के खिलाफ लड़ाई में भाग लिया है और रिलायंस का सद्भावना राजदूत बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में कंपनी के प्रयासों ने हमारे संस्थापक अध्यक्ष धीरूभाई अंबानी को गौरवान्वित किया होगा। इसका अलावा रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी ने शेयरधारकों को संबोधित करते हुए, महामारी के बीच फाउंडेशन द्वारा उठाए गए कदमों की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने कहा कि रिलायंस अब भारत के कुल मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन का 11 फीसदी उत्पादन करती है।

फिच ने रिलायंस की रेटिंग को भारत की सॉवरेन रेटिंग से एक पायदान ऊपर किया

नयी दिल्ली,

फिच रेटिंग्स ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की रेटिंग को भारत की सॉवरेन रेटिंग से एक पायदान ऊपर 'बीबीबी' कर दिया है। ऐसा कंपनी द्वारा विविध व्यापार खंड में पूरे देश से नकदी प्रवाह हासिल करने और लगातार ऋण में कमी के चलते किया गया। इसके साथ ही आरआईएल की रेटिंग भारत की सॉवरेन रेटिंग से एक पायदान ऊपर हो गई है। गौरतलब है कि भारत की सॉवरेन रेटिंग 'बीबीबी-' है। फिच ने एक बयान में कहा कि उसने आरआईएल की दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा जारीकर्ता डिफॉल्ट रेटिंग (आईडीआर) को 'बीबीबी-' से बढ़ाकर 'बीबीबी' कर दिया है। इसके साथ ही आरआईएल की दीर्घकालिक स्थानीय-मुद्रा आईडीआर को स्थिर परिदृश्य के साथ 'बीबीबी+' रेटिंग दी गई है। कंपनी ने मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में 7.8 अरब अमरीकी डालर के समय पूर्व भुगतान के साथ भारत के बाहर अपने विदेशी मुद्रा उधारी में 36 प्रतिशत की कटौती की है।

पेटीएम ने शेयर बिक्री के लिए दस्तावेज जमा करने की समयसीमा 30 जून तक बढ़ाई

नयी दिल्ली, डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवा क्षेत्र की कंपनी पेटीएम ने ऐसे शेयरधारकों, कर्मचारियों और पूर्व कर्मचारियों के लिए अपने दस्तावेज जमा करने की समयसीमा 30 जून तक बढ़ा दी है, जो कंपनी के प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में अपने शेयर बेचना चाहते हैं। पेटीएम ब्रांड नाम के तहत सेवाओं का परिचालन करने वाली वन 97 कम्युनिकेशंस अपना आईपीओ लाने की योजना बना रही है, जिसके तहत नए इक्विटी शेयर जारी करने और मौजूदा शेयरधारकों के शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है। पेटीएम ने अपने शेयरधारकों से कहा है कि मौजूदा हालात के कारण शेयरधारकों को अतिरिक्त समय देने के लिए सभी दस्तावेजों को जमा करने की अंतिम तारीख 22 जून 2021 से बढ़ाकर 30 जून 2021 की जा रही है। पेटीएम के प्रमुख शेयरधारकों में अलीबाबा का एंट ग्रुप (29.71 फीसदी), सॉफ्टबैंक विजन फंड (19.63 फीसदी), सैफ पार्टनर्स (18.56 फीसदी), विजय शेखर शर्मा (14.67 फीसदी) शामिल हैं। इसके अलावा एजीएच होल्डिंग, टी रो प्राइस एंड डिस्कवरी कैपिटल, बर्कशायर हैथवे की कंपनी में 10 फीसदी से कम हिस्सेदारी है। पेटीएम की नई इक्विटी जारी करके 12,000 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना है।

अंबानी ने की ग्रीन एनर्जी प्लान की घोषणा, 75 हजार करोड़ रुपए निवेश करेगी कंपनी

नेशनल डेस्क।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 44वीं एनुअल जनरल मीटिंग में कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने ग्रीन एनर्जी प्लान की घोषणा की है। कंपनी जामनगर में धीरूभाई अंबानी ग्रीन एनर्जी गीगा कॉम्प्लेक्स विकसित करेगी। मुकेश अंबानी ने जानकारी देते हुए बताया है कि कंपनी 2021 में रिलायंस न्यू एनर्जी एंड मटेरियल बिजनेस के लिए चार गीगा प्लांट लगाएगी। इन प्लांट्स में अगले तीन साल में 75 हजार करोड़ रुपए निवेश किए जाएंगे। रिलायंस का उद्देश्य है कि वह 2030 तक 100 गीगावॉट सोलर एनर्जी का उत्पादन करे। अंबानी ने कहा है कि अब हमारा लक्ष्य देश को दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन एनर्जी आयातकों में से एक बनाना है। इसके अलावा मुकेश अंबानी ने और भी कई जानकारियां साझी की हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ने एक साल में 75,000 से अधिक नई नौकरियां दी हैं। इसके अलावा महामारी के बावजूद कंपनी ने इस साल शेयरधारकों के लिए डिविडेंड बढ़ाया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले साल जीरो डेब्ट कंपनी बनने का वादा किया था। इस लक्ष्य को मार्च 2021 के तय समय से बहुत पहले पूरा कर लिया गया।

बीते वित्त वर्ष में रिलायंस ने किया शानदार प्रदर्शन, 75,000 लोगों को दी नौकरियां

नेशनल डेस्क। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की 44वीं एनुअल जनरल मीटिंग में कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कई जानकारियां साझी की हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ने एक साल में 75,000 से अधिक नई नौकरियां दी हैं। इसके अलावा महामारी के बावजूद कंपनी ने इस साल शेयरधारकों के लिए डिविडेंड बढ़ाया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले साल जीरो डेब्ट कंपनी बनने का वादा किया था। इस लक्ष्य को मार्च 2021 के तय समय से बहुत पहले पूरा कर लिया गया। कोरोना वायरस महामारी के बावजूद कंपनी का प्रदर्शन बहुत ही बेहतर रहा है। रिलायंस ने 5.4 लाख करोड़ रुपए का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू जनरेट किया। कंपनी को 53,739 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ, जो कि इससे पिछले साल से करीब 39 फीसदी ज्यादा है। अंबानी ने बताया कि 107 देशों में 1.45 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया। कोरोना वायरस महामारी के बावजूद कंपनी ने बीते वित्त वर्ष में शानदार प्रदर्शन किया है।

भारत में अप्रैल 2021 में 6.24 अरब अमेरिकी डॉलर एफडीआई आया

नई दिल्ली।

कोविड-19 महामारी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की संभावनाओं के बारे में निवेशकों के आश्वस्त रहने के संकेत के साथ भारत में अप्रैल 2021 में कुल 6.24 अरब डॉलर एफडीआई आया है। यह अप्रैल 2020 में 4.53 अरब डॉलर की तुलना में 38 प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि पिछले साल के निचले आधार ने इस साल एफडीआई वृद्धि को बढ़ाने में मदद की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2021 में 4.44 अरब डॉलर इक्विटी के जरिए एफडीआई आया है। जो कि अप्रैल 2020 (2.77 अरब डॉलर) की तुलना में 60 फीसदी ज्यादा है। अप्रैल 2021 के दौरान मॉरिशस से सबसे ज्यादा एफडीआई है, जिसकी कुल एफडीआई इक्विटी प्रवाह में 24 प्रतिशत उसके बाद सिंगापुर की 21 फीसदी और जापान की 11 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अप्रैल 2021 में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और हॉर्डवेयर सेक्टर में सबसे ज्यादा एफडीआई आया है। जिसकी कुल एफडीआई इक्विटी प्रवाह में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि उसके बाद सेवा क्षेत्र की 23 प्रतिशत और शिक्षा क्षेत्र की 8 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं अप्रैल 2021 में कर्नाटक में सबसे ज्यादा एफडीआई आया है, जिसकी कुल एफडीआई इक्विटी प्रवाह में 31 प्रतिशत हिस्सेदारी है। उसके बाद महाराष्ट्र की 19 प्रतिशत, दिल्ली की 15 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की दिशा में सरकार द्वारा किए गए नीतिगत सुधारों, निवेश की सुविधा और व्यापार करने में आसानी के उपायों के परिणामस्वरूप देश में एफडीआई प्रवाह में बढ़ोतरी हुई है। भारत में आए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के निम्नलिखित रुझान साबित करते हैं कि भारत निवेश के लिए वैश्विक निवेशकों का पसंदीदा क्षेत्र है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में यह उछाल अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों इंफोसिस, टीसीएस और एचडीएफसी बैंक के शेयर में बढ़त के कारण आया है। दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 392.92 अंक करीब 0.75 फीसदी बढ़कर 52,699 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 103.50 अंक तकरीबन 0.66 फीसदी बढ़कर 15,790.45 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में इंफोसिस का शेयर सबसे ज्यादा तीन फीसदी से अधिक ऊपर आया। इसके बाद टीसीएस, टेक महिन्द्रा, एचसीएल टेक और एशियन पेंट्स के शेयरों में भी उछाला देखा गया। वहीं दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड और स्टेट बैंक के शेयर नीचे आये हैं। जानकारों के अनुसार वित्तीय और आईटी कंपनियों के शेयरों में तेज सुधार से सेंसेक्स भी गिरावट से उबरा है। कारोबार में सुधार की बेहतर संभावनायें और रुपये में हाल में आई गिरावट से आईटी कंपनियों के शेयरों को बल मिला है। इसके अलावा वैश्विक बाजारों से सकारात्मक संकेतों का भी बाजार पर अच्छा प्रभाव पड़ा है।

यूपी को जल्द मिलेगी 16 नई डिस्टिलरी

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश को जल्द ही 16 नई डिस्टिलरी मिलेंगी, जिससे गन्ना उद्योग को फायदा होगा। डालमिया समूह के स्वामित्व वाली इन डिस्टिलरी में से एक ने पहले ही उत्पादन शुरू कर दिया है जबकि शेष 15 का उत्पादन इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगा। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक, यह पहली बार है जब निवेशकों ने राज्य में इतनी बड़ी संख्या में डिस्टिलरी लगाने में दिलचस्पी दिखाई है। राज्य में डिस्टिलरी स्थापित करने वाले प्रमुख औद्योगिक घरानों में डीसीएम श्रीराम, पारले बिस्कुट और बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड शामिल हैं। राज्य सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर निजी क्षेत्र की 11 चीनी मिलों ने करोड़ों रुपये का निवेश कर अपनी पिराई क्षमता को बढ़ाया है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने गन्ना खेती और चीनी उद्योग को बढ़ावा देने को प्राथमिकता दी है। राज्य में गन्ना और चीनी उद्योग के विकास का खाका तैयार किया गया और मुख्यमंत्री ने यह भी सुनिश्चित किया कि बंद चीनी मिलें न केवल चालू हों बल्कि उनकी पिराई क्षमता भी बढ़े। फिर से खोली गई चीनी मिलों में वीनस, गगलहेड़ी और बुलंदशहर शामिल हैं। उत्तर प्रदेश देश में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक है। राज्य में गन्ने की खेती की कुल भूमि का 51 प्रतिशत हिस्सा है, साथ ही देश में 50 प्रतिशत गन्ना और 38 प्रतिशत चीनी उत्पादन होता है। देश में कुल 520 चीनी मिलों में से 119 उत्तर प्रदेश में हैं। इसी तरह, राज्य के लगभग 48 लाख गन्ना किसानों में से 46 लाख से अधिक अपनी उपज की आपूर्ति मिलों को करते हैं। यूपी में चीनी उद्योग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 6.50 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करता है। अधिकारियों के अनुसार डीसीएम श्रीराम लिमिटेड ने हरदोई में एक डिस्टिलरी स्थापित की है, जिसका उत्पादन शुरू हो चुका है। इसके अलावा, सुपीरियर बायोफ्यूल्स लिमिटेड शामली, रामपुर में करीमगंज बायोफ्यूल्स लिमिटेड, बिलारी में अजुधिया बायोफ्यूल्स लिमिटेड, शंकरगढ़, प्रयागराज में महाकौशल एग्रीक्रॉप इंडिया लिमिटेड, बदायूं में यदु शुगर मिल, कानपुर (ग्रामीण) में आरती डिस्टिलरी, देवरिया में फॉरएवर इंटरनेशनल डिस्टिलरी , शाहजहांपुर में मालमलब्रोस इंटरनेशनल डिस्टिलरी, शाहजहांपुर में राज श्री फाइन केमिकल्स, मुजफ्फरनगर में इंडियन पोटाश लिमिटेड, बहराइच में पारले बिस्कुट प्राइवेट लिमिटेड और लखीमपुर खीरी में बलरामपुर चीनी मिल शामिल है। इन इकाइयों की स्थापना 1,250.44 करोड़ रुपये की लागत से की जा रही है। इन डिस्टिलरीज से राज्य में एथेनॉल का उत्पादन भी बढ़ेगा। इथेनॉल का उत्पादन करने वाले राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश अभी भी शीर्ष पर है।

अदाणी ग्रुप नए नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे का संचालन करेगा

मुंबई।

महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) को निकटवर्ती ठाणे-रायगढ़ क्षेत्र में नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के संचालन के लिए मंजूरी दे दी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल ने एएएचएल को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजना के रूप में आने वाले प्रतिष्ठित ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के लिए अपनी हरी झंडी दे दी। इससे पहले, हवाईअड्डे को जीवीके द्वारा विकसित किया जाना था, जो मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) चला रहा था। लेकिन पिछले साल इसे एएएचएल ने अपने कब्जे में ले लिया था, और इसे नागरिक उड्डयन निदेशालय, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, सेबी, सीसीआई और अंत में सीआईडीसीओ द्वारा अनुमोदित किया गया था, जो मेगा-प्रोजेक्ट की देखरेख कर रहा है। इसके साथ, औद्योगिक मैग्नेट गौतम अदाणी की अध्यक्षता में मुंबई, नवी मुंबई (आगामी), बेंगलुरु, अहमदाबाद और लखनऊ जैसे कई प्रमुख हवाईअड्डों को चलाने वाला सबसे बड़ा निजी हवाईअड्डा संचालक बन गया है, इसके अलावा निकट भविष्य में तीन और होने की संभावना है।एएएचएल - अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएचएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी - की अब नए हवाई अड्डे में बहुमत हिस्सेदारी है, जिसमें एएएल का 26 प्रतिशत हिस्सा है। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट 1,160 हेक्टेयर जमीन पर बन रहा है। इसके 2023-2024 में चालू होने की उम्मीद है और यह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों उड़ानों के लिए अगले दशक में देश का अग्रणी हवाईअड्डा बनने की ओर अग्रसर है।

एप्पल ने चीन में सीमित सर्च एड लॉन्च किया

बीजिंग।

एप्पल का विज्ञापन प्लेटफॉर्म एप्पल सर्च एड अब मैनलैंड (मुख्य भूमि) चीन में उपलब्ध हो चुका है, लेकिन विज्ञापनदाताओं को ऐप स्टोर पर इसका इस्तेमाल करने से पहले राज्य की मंजूरी और लाइसेंस हासिल करना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई। एप्पल ने अपने विज्ञापन कार्यक्रम एप्पल सर्च एड को चीन में विस्तारित किया है, जिसका अर्थ है कि डेवलपर्स और विज्ञापनदाताओं के पास अब इस क्षेत्र के यूजर्स के लिए ऐप स्टोर विज्ञापन प्रस्तुत किए जा सकते हैं। एप्पलइन्साइडर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि एप्पल सर्च एड लगातार अन्य देशों में भी चल रहे हैं, लेकिन चीनी वर्जन में अतिरिक्त शर्तें हैं। जैसे कि इसे पहली बार ऐपइनचाइना द्वारा देखा गया है, विज्ञापनदाताओं और व्यवसायों को स्वीकृत होने की आवश्यकता है। विज्ञापनदाताओं के लिए एप्पल की मार्गदर्शिका चेतावनी देती है कि उन्हें प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाली किसी भी फर्म के लिए कंपनी चॉप - एक प्रकार का आधिकारिक स्टैम्प - प्रदान करना होगा। एप्पल इस बात के उदाहरण भी सूचीबद्ध करता है कि सरकारी संस्थाएं विभिन्न प्रकार के विज्ञापनों को अधिकृत करने के लिए किन दस्तावेजों की आवश्यकता हो सकती है। उदाहरण के लिए, विज्ञापन खेलों के लिए अन्य आवश्यकताओं के साथ मूल्य वर्धित दूरसंचार व्यापार लाइसेंस की आवश्यकता होगी। ऐपइनचाइना का दावा है कि ज्यादातर लाइसेंस उन कंपनियों को दिए जाते हैं जो 100 फीसदी चीनी स्वामित्व वाली हैं। संयुक्त उद्यमों के लिए अपवाद हैं, जहां चीनी कंपनियां 50 प्रतिशत से अधिक नियंत्रित करती हैं और ऐपइनचाइना अपने चीनी लाइसेंसों का उपयोग करने और गैर-चीनी फर्मों के साथ साझेदारी करने का प्रस्ताव करता है। ऐपइनचाइना ने कहा, यह भी संभावना है कि एप्पल को अगले कुछ महीनों के भीतर चीन में आईओएस ऐप प्रकाशित करने के लिए इन लाइसेंसों की आवश्यकता शुरू हो जाएगी, जैसा कि वे पहले ही गेम अप्रूवल नंबर (आईएसबीएन) के साथ कर चुके हैं।

मूडीज के बाद S&P ने भारत को दिया झटका, ग्रोथ रेट अनुमान 11 से घटाकर किया 9.5 फीसदी

बिजनेस डेस्क।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को 11 प्रतिशत से घटाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया, और चेतावनी दी कि कोविड महामारी से जुड़े जोखिम आगे भी बने हुए हैं। एजेंसी ने वृद्धि के अनुमान को यह कहते हुए घटाया कि अप्रैल-मई में कोविड-19 की दूसरी लहर के चलते राज्यों द्वारा लॉकडाउन लगाए जाने से आर्थिक गतिविधियों में तेजी से कमी हुई। एसएंडपी ने कहा कि हमने मार्च में घोषित चालू वित्त वर्ष में वृद्धि के लिए 11 फीसदी के पूर्वानुमान को घटाकर 9.5 फीसदी कर दिया है। एजेंसी ने कहा कि निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की बैलेंस शीट हुए नुकसान से अगले कुछ वर्षों के दौरान वृद्धि बाधित होगी और 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले अगले वित्त वर्ष में भारत की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रह सकती है। एसएंडपी ने कहा कि महामारी को लेकर आगे भी जोखिम बने हुए हैं क्योंकि अभी तक लगभग 15 प्रतिशत आबादी को कम से कम वैक्सीन की एक खुराक मिली है, हालांकि अब वैक्सीन की आपूर्ति में तेजी आने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.3 प्रतिशत की कमी आई थी और इससे पहले 2019-20 में देश ने चार प्रतिशत की वृद्धि हासिल की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के पूर्व फुटबॉलर गौरामंगी से प्रेरित हैं रमेश

बेंगलुरु। बेंगलुरु यूनाइटेड के गोलकीपर श्रीजीत रमेश भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व फुटबॉलर गौरामंगी से प्रेरित हैं। रमेश ने कहा, गौरामंगी ने अपने करियर में जो हासिल किया है उससे क्लब के हर खिलाड़ी के लिए वह प्रेरणास्रोत हैं। वह हर खिलाड़ी की स्थिति का अच्छे से विशलेषण करते हैं जिससे टीम को मदद मिलती है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, वह एक बहुत ही स्वीकार्य व्यक्ति हैं और गौरामंगी प्रत्येक खिलाड़ी में, विशेष रूप से टीम की रक्षात्मक इकाई में बहुत रुचि लेते हैं। यह उनकी सबसे बड़ी विशेषज्ञता है। गौरामंगी ने भारत के लिए 71 मुकाबले खेले और फिलहाल वह आई लीग सेकेंड डिविजन की टीम बेंगलुरु यूनाइटेज के कोच हैं। रमेश भी पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी के पदचिन्हों पर चल रहे हैं और क्लब के गोलकीपर होने के साथ ही वह बेंगलुरु यूनाइटेड अकादमी में बच्चों को कोचिंग देते हैं। रमेश ने कहा, मैंने अकादमी में अंडर-8 और अंडर-12 आयु वर्ग के हर युवा खिलाड़ी के साथ काम किया है। जब मैं इनके साथ काम करता हूं तो मेरा प्राथमिक ध्यान रहता है कि ये खेल से प्यार करें। इस उम्र में इन बच्चों में प्रतिभा को विकसित करने से ज्यादा जरूरी है कि कोच यह सुनिर्शि्चित करें कि ये फुटबॉल का आनंद लें।

विराट का टेस्ट चैंपियन बनने का सपना टूटा

हार के 5 बड़े कारण

स्पोर्ट्स डेस्क।

न्यूजीलैंड की टीम ने भारतीय टीम को फाइनल मैच में 8 विकेट से हराकर पहली टेस्ट चैंपियनशिप की विजेता बन गई है। फाइनल मैच में न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया और बारिश से बाधित इस मैच का नतीजा रिजर्व डे वाले दिन निकाला। इस मैच में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज केन विलियमसन की पूरी तारीफ होनी चाहिए। क्योंकि जिस तरह से उन्होंने कप्तानी की और बल्लेबाजी की वह इसके योग्य भी हैं। फाइनल मैच में हार के साथ ही भारतीय टीम का टेस्ट चैंपियनशिप जीतने का सपने टूट गया। आईए आपको बताते हैं कि फाइनल मैच में भारत की हार के 5 बड़े कारण क्या थे-

बड़े मैचों में भारतीय बल्लेबाजों का ना चलना

पिछले कुछ समय से भारतीय टीम लगातार आईसीसी के लीग मैचों में शानदार प्रदर्शन करती हुई आई है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज हैं जो किसी भी परिस्थिति में विरोधी टीम से मैच निकाल कर ले जा सकते हैं। लेकिन आईसीसी के फाइनल मैचों में भारतीय बल्लेबाज प्रेशर को हैंडल नहीं कर पा रहे हैं और जल्दी अपने विकेट खो रहे है। जिस वजह से टीम पर दबाव बन जाता है।

भारतीय गेंदबाजों का लचर प्रदर्शन

टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच में जहां न्यूजीलैंड के गेंदबाज स्विंग गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर रहे थे। वहीं भारतीय तेज गेंदबाज स्विंग के लिए तरसते रहे। दोनों टीमों की स्विंग गेंदबाजी ने मैच में काफी अंतर डाला। वहीं चौथी पारी में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को काफी रन बनाने के मौके दिए।

बुमराह का फ्लॉप होना

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मैच में जसप्रीत बुमराह से भारतीय फैंस को काफी उम्मीदें थीं। लेकिन बुमराह फाइनल मैच में पूरी तरह से फ्लॉप दिखे। बुमराह फाइनल मैच में एक विकेट लेने के तरसते हुए नजर आए। उनकी गेंदबाजी बेहद औसत दर्जे की लगी। वह भी न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को परेशान करने में कामयाब नहीं हो पाए।

फिल्डिंग

भले ही भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने टीम के फिल्डिंग स्तर को ऊंचा कर दिया हो। लेकिन मैच के दौरान भारतीय फिल्डर कैच छोड़ते हुए दिखाई देते हैं। टेस्ट मैचों में भारतीय टीम स्लिप में काफी कैच छोड़ती है जिसका खामियाजा उसे टेस्ट चैंपियनशिप में भुगतना पड़ा।

चौथे तेज गेंदबाज की कमी खली

साउथैम्प्टन के मैदान में बारिश का साया हर दिन रहा। इसलिए न्यूजीलैंड टीम के कप्तान केन विलियमसन ने टीम में किसी भी स्पिनर को जगह नहीं दी। वहीं भारतीय टीम ने पहले दिन बारिश के खेल रद्द हो जाने के बाद भी टीम में दो स्पिनर्स को मौका दिया। सिराज को फाइनल मैच में मौका दिया जा सकता था।

गोल्ड्मनी एशियन रैपिड - अनीश गिरि के खिलाफ विदित करेंगे अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली (निकलेश जैन) चैम्पियन चैस टूर के सातवे पड़ाव गोल्ड्मनी एशियन रैपिड में होने वाले मुकाबलो की पेयरिंग जारी कर दी गयी है । प्रतियोगिता में भारत के शीर्ष खिलाड़ी विदित गुजराती अपने खास प्रतिद्वंदी नीदरलैंड के अनीश गिरि के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे । पहले दिन कुल पाँच राउंड खेले जाने है । अनीश के बाद विदित को पोलैंड के जान डुड़ा ,रूस के डेनियल डुबोव ,रूस के आर्टेमिव ब्लादिस्लाव और हमवतन अधिबन भास्करन का सामना करना होगा । विदित इससे पहले अब तक चैम्पियन चैस टूर के प्ले ऑफ में जगह नहीं बना पाये है तो देखना होगा क्या एशियन रैपिड में ऐसा होगा । पहली बार खेल रहे अन्य भारतीय खिलाड़ियों में सबसे युवा 14 वर्षीय डी गुकेश से डेनियल डुबोव,आर्टेमिव ब्लादिस्लाव ,अधिबन भास्करन , चीन के डिंग लीरेन और यूएसए के लेवोन अरोनियन पहले दिन खेलेंगे । इंडियन क्वालिफायर जीतने वाले अर्जुन एरिगासी से जान डुड़ा , डुबोव , आर्टेमिव ,अधिबन और डिंग की टक्कर होगी । अधिबन भास्करन पहले दिन की शुरुआत लेवोन अरोनियन और डिंग लीरेन के खिलाफ करेंगे फिर उनका सामना हमवतन भारतीय विदित ,अर्जुन और गुकेश से होगा । विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन युवा फीडे के अलीरेजा फिरौजा के खिलाफ पहले दिन अभियान की शुरुआत करेंगे । प्रतियोगिता 26 जून से शुरू होगी और 28 जून तक हर दिन 5 राउंड रॉबिन मुक़ाबले खेले जाएँगे और इसके बाद 4 जुलाई तक प्ले ऑफ के मुक़ाबले होंगे।

Euro 2020: दो गोल के साथ इतिहास रचने के करीब रोनाल्डो

बुडापेस्ट । फ्रांस के खिलाफ 2 -2 से ड्रॉ रहे मैच में दोनों गोल करके क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय गोलों के ईरान के पूर्व स्ट्राइकर अली देइ की बराबरी कर ली। इस ड्रॉ के साथ ही पुर्तगाल यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के अंतिम 16 में पहुंच गया। रोनाल्डो के अब अली के समान 109 अंतरराष्ट्रीय गोल हो गए हैं। उन्होंने दोनों गोल पेनल्टी पर किए। यूरो चैम्पियनशिप में अब उनके कुल 14 गोल हो गए हैं। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए पहला गोल 17 साल पहले यूरो 2004 में किया था जब उनकी टीम ग्रुप चरण में यूनान से 1-2 से हार गई थी। फ्रांस के दोनों गोल करीम बेंजीमा ने दागे जो टूर्नामेंट में उनके पहले गोल ही हैं। वह यूरो 2008 और 2012 में गोल नहीं कर सके थे। अक्टूबर 2015 के बाद फ्रांस के लिये यह उनका पहला गोल है। पुर्तगाल ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहा जबकि जर्मनी दूसरे और फ्रांस पहले स्थान पर रहा। फ्रांस का सामना अगले दौर में स्विटजरलैंड से होगा जबकि पुर्तगाल की टक्कर बेल्जियम से होगी।

पूजा अग्रवाल ने वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स कप में दो सिल्वर मेडल जीते

चेन्नई।

पेरू के लीमा में आयोजित विश्व शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स कप में शार्प पैरा शूटर पूजा अग्रवाल की जीत पर इंडियन बैंक उनकी प्रेरक उपलब्धि एवं अदम्य उत्साह का जश्न मना रहा है। पूजा ने अपनी विजय की लंबी सूची में दो रजत जोड़े। इंडियन बैंक में प्रबंधक के रूप में काम करते हुए पूजा का अंतर्राष्ट्रीय पैरा पिस्टल शूटिंग के लिए स्पोर्ट्ज क्राफ्ट (दिल्ली) में कोच सुभाष राणा के साथ पूर्णत्व शूटिंग एकेडमी के अंतर्गत घर से 40 किलोमीटर दूर डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में प्रशिक्षण जारी है और वे विश्व स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। 35 वर्षीय पूजा ने वर्ष 2014 में बैंक में नियुक्ति के बाद वर्ष 2016 में निशानेबाजी शुरू की। वर्ष 2012 में उनके साथ एक दुखद दुर्घटना घटी जिसमें उन्हें अपने पैर गंवाने पड़े। तब से वह सभी बाधाओं पर विजय प्राप्त करते हुए एक दिव्यांग शार्प शूटर के रूप में प्रेरणादायक यात्रा पर अग्रसर हैं। अपने दिन-प्रतिदिन के कार्यों से जूझने से लेकर सशक्त एवं स्वतंत्र महिला बनने तक पूजा की यात्रा बाधाओं से लड़ने और खुद के लिए, अपने बैंक के लिए और अपने देश के लिए पहचान बनाने के लिए दृढ़ संकल्प और इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करती हैं। इस महामारी में अन्य दिव्यांगजनों को शिक्षित करने और प्रोत्साहित करने के लिए उसने अपना यूट्यूब चैनल पूजा अग्रवाल पी क्रिएशन लॉन्च किया ताकि वे चुनौतियों का सामना कर सकें और अपनी दैनिक गतिविधियों को बाधित किए बिना स्मार्ट तरीके से कार्य कर स्वतंत्र जीवन की ओर अग्रसर हो सकें। पूजा अग्रवाल का स्पोटिंर्ग पैशन 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएचआईए) निशानेबाजी है और वह पैरा निशानेबाजी में दुनिया में 12वें और एशिया में 11वें स्थान पर हैं। पूजा ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय पदक वर्ष 2017 में यूएई के अल ऐन में आयोजित वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट वर्ल्ड कप में 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के लिए जीता। उसी वर्ष उन्होंने 61वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैम्पियनशिप (2017) में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक भी जीता। बाद में उन्होंने वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट वर्ल्ड कप (2018) में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान रॉयल्स में इस कंपनी ने खरीदी हिस्सेदारी, फुटबॉल क्लब लीवरपूल में भी है निवेश

नई दिल्ली। निवेशक कंपनी रेडबर्ड कैपिटल पार्टनर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। रेडबर्ड कैपिटल पार्टनर्स ने दिग्गज फुटबॉल क्लब लीवरपूल का स्वामित्व रखने वाली कंपनी और बेसबाल टीम बोस्टन रेड सॉक्स में भी निवेश किया है। रॉयल्स के साथ हुए करार की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। मनोज बदाले के स्वामित्व वाले एमर्जिंग मीडिया के पास राजस्थान रॉयल्स टीम की बहुमत में हिस्सेदारी है। इस टीम ने 2008 में पहला आईपीएल टूर्नामेंट जीता था। रॉयल्स की वेबसाइट के अनुसार कि इस करार के बाद रेडबर्ड की रॉयल्स में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी होंगी और एमर्जिंग मीडिया अपनी हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करेगा। बदाले ने कहा कि यह करार आईपीएल के वैश्विक स्तर को दर्शाता है।

अगर परिवार के लोग खिलाड़ियों के साथ नहीं जा सकते तो एशेज रद्द करें : वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि अगर परिवार के सदस्य खिलाड़ियों के साथ नहीं जा सकते हैं तो इस साल होने वाले एशेज को रद्द कर देना चाहिए। इंग्लिश क्रिकेटरों को एशेज सीरीज के लिए इस साल नवंबर में ऑस्ट्रेलिया जाना है लेकिन ऑस्ट्रेलिया में कोरोना प्रोटोकॉल के कारण खिलाड़ी अपने परिवार को साथ नहीं ले जा सकते हैं। वॉन ने ट्वीट कर कहा, ऐसी रिपोर्ट पढ़ी कि इंग्लैंड के क्रिकेटर शायद अपने प्रिवार के सदस्यों को एशेज के लिए नहीं ले जा पाएंगे। अगर वे नहीं ले सकते तो एशेज को रद्द करना चाहिए क्योंकि चार महीने तक अपने परिवार से दूर रहना अस्वीकार्य है। वॉन के अलावा इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भी कहा था कि अगर कोई खिलाड़ी अपने परिवार को छोड़े बिना एशेज के लिए नहीं जाना चाहता तो उसका वे समर्थन करेंगे। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने भी अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा था कि एशेज जीतना एक चुनौती है और परिवार के बिना इसमें और दिक्कत होगी। उन्होंने कहा था, टीम में कई खिलाड़ियों के छोटे बच्चे हैं जिनके लिए उन्हें छोड़ना कठिन होगा। उम्मीद करता हूं कि इसका सकारात्मक हल निकले। रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार से इंग्लिश क्रिकेटरों को उनके परिवार के सदस्यों के साथ लाने की मंजूरी देने का अनुरोध किया है।

कोहली, पुजारा का जल्द आउट होना भारत को भारी पड़ गया : तेंदुलकर

साउथेम्प्टन।

बल्लेबाजी लेजेंड सचिन तेंदुलकर ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली और तीसरे नंबर के बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को दो ओवर के अंदर गंवाने से भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल गंवाना पड़ा। टेस्ट और एकदिवसीय मैचों में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी ने कहा कि ब्लैककैप नाम से मशहूर न्यूजीलैंड बेहतर टीम थी। तेंदुलकर ने अपने ट्विटर अकाउंट पर पोस्ट किया, विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीतने पर ब्लैक कैप्स को बधाई। आप बेहतर टीम थे। सचिन ने आगे लिखा, टीम इंडिया अपने प्रदर्शन से निराश होगी। जैसा कि मैंने उल्लेख किया था कि पहले 10 ओवर महत्वपूर्ण होंगे और भारत ने कोहली और पुजारा दोनों को 10 गेंदों में खो दिया और इसने टीम पर बहुत दबाव डाला। कोहली और पुजारा दोनों को लंबे तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने आउट किया, जिन्होंने छठे दिन भी साउथेम्प्टन की पिच से मूवमेंट और उछाल निकाला, जो कि रिजर्व डे था। 35वें ओवर की पांचवीं गेंद पर कोहली गिरे तो 37वें ओवर की तीसरी गेंद पर पुजारा आउट हुए। कुल मिलाकर, कीवी टीम ने कहीं अधिक बेहतर गेंदबाजी और बल्लेबाजी का प्रयास किया, जिसे कई पूर्व क्रिकेटरों ने स्वीकार किया। भारत के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने अपने ट्विटर हैंडल पर कहा, बधाई हो कीवी टीम चैंपियन होने पर। न्यूजीलैंड के गेंदबाज शानदार थे, विलियमसन और टेलर ने काम खत्म करने के लिए अपना अनुभव लगाया।

इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज और कमेंटेटर माइकल एथरटन ने कीवी को विनम्र और मेहनती कहा।

न्यूजीलैंड के गेंदबाज लंबे समय तक लय में रहते हैं : कोहली

साउथम्पटन। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल मुकाबले में मिली हार के बाद भारतीय कप्तान विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की सराहना करते हुए कहा है कि कीवी टीम बहुत बेहतर है क्योंकि उसके पास फिट गेंदबाज हैं जो लंबे समय तक लय में रहते हैं। भारतीय टीम पिछली छह पारियों में न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के सामने नहीं टिक पाई है और 200 के स्कोर तक सिमट गई है। भारत ने छठे दिन दूसरी पारी में 170 रन बनाकर न्यूजीलैंड को जीत के लिए 139 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे कीवी टीम ने दो विकेट पर 140 रन बनाकर हासिल किया। कोहली ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, न्यूजीलैंड की टीम काफी प्रभावशाली है। हमने पिछले कई वर्षो में उन्हें देखा है। उनकी टीम बेहतर है और सही मायने में क्रिकेट खेलना पसंद करते हैं। उन्होंने बताया कि फिटनेस और लय के कारण न्यूजीलैंड के गेंदबाज एक ही विभाग में लंबे समय तक गेंदबाजी कर सके। कोहली ने कहा, अगर आप उनके गेंदबाज को दबाव में नहीं लाएंगे तो वह इतने फिट और लय में रहते हैं कि लंबे समय तक पूरे दिन एक ही जगह गेंदबाजी करेंगे और आपको परेशानी में डालेंगे। 32 वर्षीय कप्तान ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमिसन की सराहना की जिन्होंने दोनों पारियों में कोहली को आउट किया था। कोहली ने कहा, जैमिसन अच्छे गेंदबाज हैं और मैंने अपने करियर में उनके जैसे कई गेंदबाजों का सामना किया है। उनकी लंबाई मेरे ख्याल से उन्हें फायदा पहुंचाती है। उनका लय में रहना बल्लेबाजों के लिए कठिन होता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि हम लोग जैमिसन को दबाव में नहीं ला पाए। हमने उन्हें एक ही जगह पर गेंदबाजी की इजाजत दी। वह उस विभाग में गेंदबाजी नहीं कर रहे थे जहां हम उनके खिलाफ रन निकाल सकते थे।

सानिया ओर बेथानी पहले ही दौर में हारी

ईस्टबोर्न। भारत की महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और उनकी उनकी अमेरिकी जोड़ीदार बेथानी माटेक सैंड्स वाइकिंग अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में ही हार गयी हैं। सानिया और सैंड्स को एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में अमेरिका की क्रिस्टीना मैकेल और सबरीना सांटामारिया ने 6-3, 6-4 से हराया। सानिया अब 28 जून से शुरू हो रहे विम्बलडन टेनिस मुकाबले में माटेक सैंड्स के साथ उतरेंगी।

ओलंपियन राजिंदर बोले- पंजाब में महिला हॉकी का गिरता स्तर चिंता का विषय

जालंधर।

सुरजीत हॉकी अकादमी ने सुरजीत हॉकी स्टेडियम, बल्टर्न पार्क में केक काटकर अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस मनाया। मुख्य हॉकी कोच ओलंपियन और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता राजिंदर सिंह ने पंजाब में महिला हॉकी का गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाब में जमीनी स्तर पर खेल की पूरी योजना के साथ ओलम्पिक-2028 को ध्यान में रखते हुए पंजाब खेल विभाग जल्द ही पंजाब में हॉकी के खेल का प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक पंजाबी खिलाड़ी भारतीय हॉकी टीम में जगह बना सकें। उन्होंने अगले माह जापान में शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाली पुरुष और महिला हॉकी टीमों को स्वर्ण पदक जीतने की कामना की। इस मौके पर सुरजीत हॉकी अकादमी की खिलाड़ी हरजोत कौर ने भी अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर एक पेपर पढ़ा। इससे पूर्व खिलाड़ियों ने स्वर्गीय फलाइंग सिख मिल्खा सिंह और उनकी पत्नी स्वर्गीय निर्मल मिल्खा सिंह को भी श्रद्धांजलि दी। सुरजीत हॉकी सोसायटी के महासचिव इकबाल सिंह संधू ने कहा कि ओलंपिक में भाग लेने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम में पंजाब की केवल एक खिलाड़ी गुरजीतकौर ही पंजाब का नेतृत्व कर रही है जबकि पड़ोसी राज्य हरियाणा के नौ खिलाड़ी भारतीय हाकी टीम में हैं जो पंजाब में महिला हॉकी के स्तर में तेज गिरावट का प्रमाण है। पंजाब में गर्ल्स हॉकी के क्षेत्र में आई गिरावट का खुलासा करते हुए संधू ने कहा कि गवर्नमेंट सीनियर गर्ल्स सेकेंडरी स्कूल, नेहरू गार्डन, जालंधर लगातार 40 वर्षों से देश का अग्रणी गर्ल्स हॉकी ट्रेनिंग सेंटर चला आ रहा था जिसने निशा शर्मा, हरप्रीत कौर, अजिंदर कौर, रजनी शर्मा, सुरजीत बाजवा, शरणजीत कौर, प्रीतपाल कौर, राजबीर कौर, पंजाब जैसी ओलंपिक, अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय खिलाड़ी दिए और साल 2016 तक सबसे ज्यादा राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीतने का गौरव प्राप्त था, को अचानक ही साल 2016 में स्थाई रूप से बंद कर दिया गया। संधू ने पंजाब के खेल मंत्री राणा गुरजीत सिंह सोढ़ी से मांग की कि जालंधर में नए हॉकी स्टेडियम के निर्माण के साथ, बल्टर्न पार्क अब पंजाब में हॉकी का हब बनने जा रहा है और जालंधर में लड़कों की हॉकी अकादमी सफलतापूर्वक चल रही है, नेहरू गार्डन स्कूल (लड़कियां) हॉकी विंग, जिसे 2016 में बंद कर दिया गया था, के स्थान पर बिना देरी जालंधर में एक गर्ल्स हॉकी अकादमी शुरु की जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि इस गर्ल्स हॉकी अकादमी में मुख्य कोच हॉकी जैसी ही अनुभवी महिला हॉकी कोच की नियुक्ति भी की जानी चाहिए ताकि लड़कियों को उनकी कठिनाइयों को समझते हुऐ हॉकी प्रशिक्षण दिया जा सके।

हैडली ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप विजेता टीम को न्यूजीलैंड के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ टीम बताया

वेलिंगटन । महान ऑलराउंडर सर रिचर्ड हैडली ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की विजेता न्यूजीलैंड टीम को देश के क्रिकेट इतिहास की अब तक की सर्वश्रेष्ठ टीम बताया है। हैडली ने कहा कि इस टीम ने पिछले दो साल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया है। न्यूजीलैंड ने साउथम्पटन में भारत को 8 विकेट से हराकर पहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीती है। हैडली ने एक बयान में कहा कि यह शानदार टेस्ट मैच था जिसमें कई उतार चढाव देखने को मिले। न्यूजीलैंड ने भारत की बेहतरीन टीम के सामने अच्छा प्रदर्शन किया। इतने साल में न्यूजीलैंड के पास कई अच्छे खिलाड़ी हो गए हैं जिसने हमें विश्व क्रिकेट में सबसे प्रतिस्पर्धी टीमों में से एक बना दिया है। यह कहना सही होगा कि यह टीम न्यूजीलैंड के क्रिकेट इतिहास की सर्वश्रेष्ठ टीम है। यह जीत दो साल के शानदार प्रदर्शन का ही परिणाम है। पिछले दो साल में न्यूजीलैंड टीम ने टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करके देश विदेश में मैच जीते और वह विश्व चैम्पियन बनने की अधिकारी थी। पूरी टीम ने पेशेवर रुख दिखाते हुए दूसरे की मदद करके एक ईकाई के रूप में एकजुट होकर अच्छा प्रदर्शन किया।

नजरंदाज न करें हल्का बुखार

मामूली बुखार, हड्डी तोड़ बुखार, ऐसा तेज बुखार कि जैसा कभी हमें जिंदगी में हुआ ही नहीं, हल्का बुखार, मियादी बुखार आदि कई तरह से आप इसे अपने चिकित्स से बताते हैं। बुखार को लेकर इतनी तरह की गलतफहमियां हैं और चिकित्सा विज्ञान की सीमाएं हैं कि इस मामूली-सी प्रतीत होती बीमारी के इन पक्षों को जानना जरूरी हो जाता है।

पहली बात तो यह कि कोई भी, कितना भी कम बुखार हो वह कभी भी मामूली नहीं होता। हर बुखार इस बात की घोषणा है कि शरीर में कुछ ऐसा गलत हो रहा है जिससे लड़ने के लिए शरीर के अपने हथियारों को चलाना शुरू कर देता है जिसका कारण यह गर्मी पैदा हो रही होती है। बल्कि हल्के बुखार कई मायनों में ज्यादा खतरनाक होते हैं।

अन्य बीमारियों का भी लक्षण

हल्का बुखार गठिया से लेकर साइकोलोसिक फीवर तक कुछ भी हो सकता है। हो सकता है कि आप किसी पक्ष की जांच न कराएं और दो माह बाद पता चले कि हड्डी में टीबी थी या आंतों में कैंसर था, जो आपने तब सोचा या देखा ही नहीं। कहना यह है कि हल्के बुखार को कभी भी हल्के में न लें। हमेशा किसी अच्छे डॉक्टर से इसकी सलाह लें क्योंकि मामूली बुखारों की डायग्नोसिस के लिए गैरमामूली डॉक्टर ही चाहिए जो इस जटिल चीज को समझता हो।

कोल्ड स्पॉन्जिंग की प्रक्रिया

तेज बुखार हो तो डॉक्टर कहते हैं कि मरीज की कोल्ड स्पोन्जिंग कीजिए। कहते हैं पर बताते नहीं कि कैसे कीजिए? प्राय: वे नर्स को कह देते हैं और नर्स आपसे कह देती है कि ठंडे पानी की पट्टियां रखिए। बस कहां रखिए, कैसे रखिए यह बताने का समय किसी के भी पास नहीं। आप दिन भर लगे रहते हैं और बुखार नहीं उतरता। कारण यह कि कोल्ड स्पोंजिंग के कुछ सामान्य सिद्धांत हैं। एक तो यह कि इसे बर्फ के पानी से न करें। बर्फीला ठंडा पानी चमड़ी की खून की नलियों को उल्टा सिकोड़ ही देता है जिससे शरीर और ठंडे कपड़े के बीच तापमान का आदान-प्रदान नहीं हो पाता और बुखार उतनी तेजी से नहीं उतर पाता।

पट्टी रखने की प्रक्रिया

नल में आ रहे सामान्य ताप वाले पानी या घड़े में भरे पानी को लें, दूसरी बड़ी बात यह करें कि गीले कपड़े को बढ़िया निचोड़कर और गले पर, कांखों में, पेट पर तथा जांघ के संधि स्थल (हिप ज्वायंट के पास) रखते जाएं और हर बीस-पच्चीस सेकंड में बदलकर नया गीला कपड़ा लगाएं। गर्दन, कांख, जंघा तथा पेट से खून की बहुत बड़ी नलियां एकदम चमड़ी के पास से गुजर रही होती हैं। इनमें बुखार से तपता हुआ गर्म खून बह रहा है जिसे ठंडक मिलेगी तो बुखार फटाफट कम होगा।

तापमान का बनाएं चार्ट

होने वाले बुखार को गंभीरता से लें क्योंकि बुखार यदि गंभीर हो गया तो लेने के देने पड़ सकते हैं। इससे भी पूर्व बेहतर सलाह होगी कि बुखार लगे तो थर्मामीटर से नापकर कागज पर रिकार्ड बनाते रहें। डॉक्टर को इससे बड़ी मदद मिलेगी। अलग-अलग समय पर तापमान अंकित करें। बहुत से मरीज कहते हैं कि हमारा हड्डी का बुखार है, या अंदरूनी बुखार है जो रहता तो है पर किसी भी थर्मामीटर में नहीं आ पाता। ऐसा कोई बुखार नहीं होता जो थर्मामीटर के पारे को नहीं चढ़ाता।

शाम को बढ़ सकता है शरीर का तापमान

जान पहचान के एक व्यक्ति को टायफायड तो ठीक हो गया परंतु रोज शाम होते-होते 99.8 डिग्री चढ़ जाता था। आस पास जो देखने जाता वह कहता अरे आपका टायफायड फिर बिगड़ गया है। मैंने सलाह दी कि यह नार्मल वेरिएशन है, समझदार थे मान गए तो सामान्यत: शाम को हमारा तापमान 99.9 तक भी हो जाए तो इसे बुखार न मानें। बस एक बार चिकित्सक को तय करने का मौका दें। शेष शरीर पर रखी पट्टियां इतनी जल्दी न बदलें क्योंकि हाथ-पांव की चमड़ी की पतली रक्त नलियों में खून ठंडा होने में समय लेगा। हां, माथे तथा सिर पर बर्फ की थैली (आइस कैप) रखना चाहिए क्योंकि खोपड़ी की हड्डियों का तापमान इतनी आसानी से कम न होगा।

खुद न बनें डॉक्टर

एक और आखिरी बात स्वयं इलाज न लें। बुखार एक ऐसी बीमारी है जिसका सबसे ज्यादा सेल्फ ट्रीटमेंट होता है। याद रखें कि हर ठंड के साथ कंपकंपी देने वाला बुखार मलेरिया नहीं होता, न ही वही एंटीबायटिक इस बार भी काम करेगी जो कभी पिछले बुखार में आपको दी गई थी। बुखार होने पर डॉक्टर की बताई दवाएं ही लें और उतने दिनों तक लें जितने दिनों तक बताया जाए।

कई अन्य कारण

बुखार जैसा लगने के पचासों और भी कारण हो सकते हैं। उनका इलाज भी कुछ अलग ही होगा। आप बुखार कहते हो और लापरवाह चिकित्सक बुखार की कोई दवाई आपको दे देता है। तो पहले यह तय कर लें कि बुखार है भी या नहीं? नापें जब लगे तब नापें आपको यह सलाह नहीं दी जा रही कि जेब में थर्मामीटर लेकर घूमें और जब-तब मुंह में रखते फिरें, पर रिकॉर्ड जरूर करें। बुखार रिकॉर्ड न हो तो डॉक्टर को यही कहें कि मुझे बुखार सा लगता है पर होता नहीं इस तरह की स्थिति एनीमिया, थकान, तनाव से लेकर अन्य बहुत सी गंभीर बीमारियों में भी हो सकती हैं। और नापने में भी याद रखें कि आदमी के नार्मल टेंपरेचर में भी बहुत-से नार्मल उतार-चढ़ाव हो सकते हैं।

विशेषज्ञ की सलाह ही सही

थोड़ा-थोड़ा बुखार हो रहा हो तो कई बार आदमी लंबे समय तक इसकी परवाह ही नहीं करता और बाद में बीमारी बढ़ाकर डॉक्टर के पास पहुंचता है। दूसरा यह कि वे हल्के-हल्के निन्यानवे-सौ वाले, कभी-कभी आने वाले बुखारों की जड़ में बेहद खतरनाक, जानलेवा होने की हद तक खतरनाक कारण भी हो सकते हैं। टीबी, एड्स, कई तरह के कैंसर, आंतों की बीमारियां, यहां-वहां पनपती पस (मवाद) आदि किसी के कारण भी ऐसा हो सकता है। प्राय: यह हल्का बुखार विभिन्न तरह की जांचों में आपके खासे पैसे लगवा सकता है। हो सकता है कि तब भी डॉक्टर किसी ठीक नतीजे पर न पहुंच पाए और आप डॉक्टरों की जमात को ही बेकार कहते फिरें कि यहां-वहां से कट लेने के लिए ऐसा करते रहते हैं।

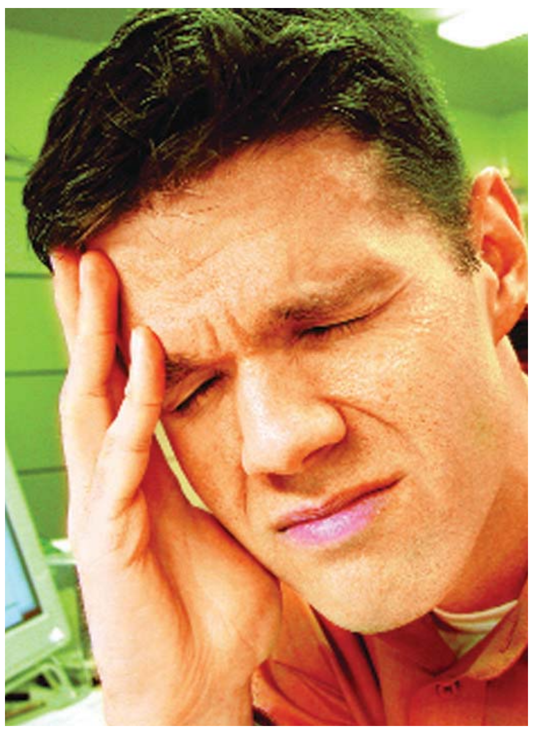

सिरदर्द को न करें नजरंदाज

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सभी लोगों को सिर-दर्द की परेशानी होती है, मगर ज्यादातर लोग इस पर ध्यान ही नहीं देते हैं या फिर इसका उचित इलाज नहीं करवाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिर-दर्द की परेशानी सभी को होती है, यह बहुत आम है और इसका उचित इलाज भी है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बावजूद पूरी दुनिया में इसकी कम पहचान हो पाती है और इसका इलाज भी बहुत कम होता है। इसके अनुसार, अपने तरह के इस पहले अंतरराष्ट्रीय सर्वे में यह बात सामने आई है कि लोग इस बड़ी परेशानी को नजरअंदाज कर देते हैं। रिपोर्ट का कहना है कि दुनिया में आधे से ज्यादा वयस्कों ने हाल ही में एक या ज्यादा बार सिरदर्द की परेशानी महसूस की होगी।

काम होते हैं प्रभावित

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि सिरदर्द के कारण उद्यम प्रभावित होने से होने वाला वितीय नुकसान बहुत बड़ा है। किशोरों से लेकर 50 साल की उम्र तक के लोगों में सिरदर्द एक आम समस्या है। इससे काम के घंटे प्रभावित होते हैं और उद्यम प्रभावित होता है। अकेले ब्रिटेन में रोज 2.5 करोड़ लोग हर साल सिरदर्द (माइग्रेन) के कारण स्कूल या दफ्तर नहीं जा पाते हैं।

अकेलापन पुरुषों के लिए खतरनाक हो सकता है। एक अध्ययन से पता चला है कि जो पुरुष अकेले होते हैं, उन्हें दिल का रोग होने का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए शोधकर्ताओं की सलाह है कि समाज में अन्य लोगों से मेल-जोल दिल के लिए अच्छा है।

अकेलेपन से दिल के रोग का खतरा

अध्ययन से पता चला कि जिन पुरुषों के दोस्त नहीं होते और परिवार से करीबी संबंध नहीं होते, उनके खून में एक विशेष अणु की मात्रा ज्यादा होती है।

ब्रिटेन में दिल के रोग के विशेषज्ञों का कहना है कि जो रोग सामाजिक तौर पर कटे हुए होते हैं, उनकी खेल-कूद में दिलचस्पी कम और सिगरेट पीने की संभावना ज्यादा होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये दोनों ही कारण दिल के रोग के खतरे को बढ़ाते हैं।

यह शोध पूरे अमेरिका में 1998 से 2001 के बीच 62 वर्ष की औसत उम्र के 3267 पुरुषों और महिलाओं पर किया गया। जिसमें इनकी शादी, रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ-साथ धार्मिक बैठकों इत्यादि में भाग लेने की जानकारी भी ली गई।

शोध में महिलाओं के दिल पर इस तरह का असर नहीं दिखा।

क्या है अस्थि संक्रमण?

ऑस्टियोमाइलाइटिस हड्डी या अस्थि मज्जा का एक संक्रमण है, जो आमतौर पर पायोजेनिक बैक्टीरिया या माइकोबैक्टिरियम के कारण होता है। यह कारणात्मक जीव, इसके मार्ग, अवधि और संक्रमण के शारीरिक स्थान के आधार पर उपवर्गीकृत किया जा सकता है।

लक्षण

- अस्थि दर्द
- अस्थि सूजन
- बुखार
- मांसपेशियों में ऐंठन
- स्थानीय लालिमा
- स्थानीय गर्मी
- दर्द बढ़कर पास के जोड़ तक फैल जाता है।

प्रभावित हड्डी के आधार पर विशिष्ट लक्षण निर्भर करते हैं

- शाखा की हड्डी में दर्द
- टांग की हड्डी में दर्द
- श्रोणि की हड्डी में दर्द

स्पाइनल ऑस्टियोमाइलाइटिस के लक्षण

- हल्का बुखार
- रीढ़ की हड्डी में दर्द
- पीठ के दर्द का बिगड़ना
- पीठ के में दर्द आराम से राहत न होना
- सामान्य दर्द द्वारा पीठ दर्द में राहत न होना।
- पीठ का दर्द संचालन से बद्तर होना

चिरकालीन माइलाइटिस के लक्षण

- आवर्तक माइलाइटिस
- हड्डी का आवर्तक दर्द
- त्वचा से पूर्व का स्राव
- विद्रधि की पुनरावृत्ति
- रक्त के थक्के
- अस्थि ऊतक का परिगलन
- प्रभावित क्षेत्र में मवाद
- अस्थि सूजन

कारण

बच्चों में यह जीवाणु नाक या आंत के माध्यम से रक्त में प्रवेश करता है और हड्डी के भागों में बस जाता है, जो पहले से टूटी होती हैं या हड्डी के कुछ क्षतिग्रस्त हिस्सों में, जहां अच्छी रक्त की आपूर्ति हो। यह जीवाणु संवर्धन करता है और शरीर की प्रतिरक्षा के कारण मवाद बनता है। यह हड्डी को निगल लेता है, विद्रधि का रूप ले लेता है और जो हड्डी के माध्यम से फैलता है और अंतत: सतह तक आ जाता है। एक फ्रेक्चर के बाद, जीवाणु सीधे घाव में प्रवेश करते हैं और नंगे सिरों पर बस जाते हैं। वे फिर द्विगुणित होकर और मवाद बनता है और घाव के माध्यम से जो अंतत: स्राव बन कर निकलता है। कुछ लोगों में यह संक्रमण दूसरे अंग में शुरू हो सकता है, जैसे फेफड़े। यहां से यह रोगाणु रक्त के माध्यम से हड्डी में फैल सकता है। मधुमेह के रोगी को विशेष रूप से संक्रमण होने का खतरा रहता है। यदि एक अल्सर पैर की अंगुली या पैर पर विकसित होता है, यह कीटाणु का जल्दी ही अंतर्निहित हड्डी के माध्यम से घुसना असामान्य नहीं है। इस मामले में यह लक्षण बहुत साधारण सा हो सकता है, केवल कुछ सूजन देखी जा सकती है। कुछ बच्चों में विशेष रूप से नवजात में रक्त परीक्षण या एक अंत: शिरा ड्रिप फीड के बाद बैक्टीरिया खून में प्रवेश कर सकते हैं। अन्य बच्चों में जो रक्त के सिकल सेल जैसे रोग से ग्रसित होते हैं, इस बीमारी के परिणामस्वरूप हड्डी की क्षति होने से और अधिक संक्रमण हो जाता है। मधुमेह के साथ वयस्कों में संक्रमण का प्रतिरोध कमी, अल्प रक्त परिसंचरण और दर्द के अहसास की कमी अक्सर चिरकालीन घातक रोग विशेष रूप ऑस्टियोमाइलाइटिस का कारक होती है।

निदान

रोगी का इतिहास, शारीरिक परीक्षा और रक्त परीक्षण ऑस्टियोमाइलाइटिस की पुष्टि करने के लिए मदद मिलती है।

श्वेत रक्त कोशिकाओं की गिनती ल्यूकॉसाइटोसिस दर्शाती है।

एरिथ्रोसाइट सेडिमेंटेशन दर या सी-प्रतिक्रियाशील प्रोटीन आमतौर पर बढ़ा होता है, लेकिन अवशिष्ट गंभीर मामलों में भी बढ़ा हो सकता है।

घाव के कल्चर से जीवाणु के स्रोत का संकेत मिलता है। रक्त कल्चर से कारणात्मक जीवाणु को पहचानने में मदद हो सकती है।

मेगनेटिक अनुनाद इमेजिंग रीढ़ के संक्रमण का पता लगाने के लिए सबसे अच्छा उपाय है।

हड्डी के मृत द्वीपों को देखने के लिए कम्प्युटेड टॉमाग्राफी सबसे अच्छा साधन है। जब तक यह रोग हड्डी को प्रभावित करने तक, आम तौर पर 2 से 3 सप्ताह सक्रिय रहने तक हड्डी के एक्स-रे में नहीं देखा जा सकता है। स्कैन अस्थि संक्रमण का जल्दी पता लगा सकते हैं। निदान द्वारा पोलियोमाइलिटिस, आमवात का बुखार, मॉयोसाइटिस, और अस्थि भंग का सही निदान हो जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस निदान के लिए हिस्टोपैथॉलॉजी और अन्वीक्षण परीक्षा स्वर्ण मानक है।

उपचार

ऑस्टियोमाइलाइटिस में अक्सर लंबे समय तक, एक सप्ताह या महीने एंटीबायोटिक चिकित्सा की आवश्यकता है। एक पीआईसीसी लाइन या सेंट्रल अन्त: शिरा कैथिटर अक्सर इस प्रयोजन के लिए लगाया जाता है। ऑस्टियोमाइलाइटिस में सर्जिकल डेब्रीडमेंट (क्षतिग्रस्त मृत या संक्रमित ऊतक के हटाने) की भी जरूरत हो सकती है, ताकि शेष स्वस्थ ऊतक की चिकित्सा की क्षमता में सुधार हो सके। गंभीर मामलों में एक अंग के हानि का कारण बन सकता है। प्रारंभिक पहली पंक्ति एंटीबायोटिक पसंद रोगी के इतिहास और क्षेत्रीय अंतर से सामान्य संक्रामक जीवाणु के आधार पर निर्धारित होता है। रिफ्रेक्टॉरी ऑस्टियोमाइलाइटिस के उपचार के लिए हॉपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी उपयोगी सहायक होती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कोविड-19 जांच रिपोर्ट को लेकर बोला झूठ, इस इस्लामिक धर्मगुरू को दी गई 4 साल की सजा

जकार्ता। कोरोना वायरस से संक्रमित होने की बात छुपाने के मामले में इंडोनेशिया के प्रभावशाली धर्मगुरू मुहम्मद रिजिक शिहाब को बृहस्पतिवार को चार साल कैद की सजा सुनाई गई। 'ईस्ट जकार्ता डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' के तीन न्यायाधीशों के एक पैनल ने कहा शिहाब ने अपनी कोविड-19 जांच रिपोर्ट के संबंध में झूठ बोला था, जिससे उनके सम्पर्क में आए लोगों की पहचान करने में परेशानी आई। वह 13 दिसम्बर से ही हिरासत में हैं। न्यायाधीशों ने कहा कि जितना समय वह जेल में बिता चुके है, वह उनकी सजा से कम कर दिया जाएगा। फैसला सुनाने से पहले अदालत के बाहर भारी पुलिस बल और सेना के जवान तैनात किए गए थे। शिहाब की रिहाई की मांग करते हुए उनके हजारों समर्थकों ने वहां रैली निकालने की कोशिश की, जिस कारण अधिकारियों को अदालत आने वाले मार्ग को बंद करना पड़ा। पुलिस ने उनके समर्थकों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और पानी की बौछारें भी कीं।

फिलीपीन के पूर्व राष्ट्रपति बेनिग्नो एक्विनो का 61 वर्ष की आयु में निधन

मनीला। फिलीपीन के पूर्व राष्ट्रपति एवं देश के सबसे प्रमुख लोकतंत्र समर्थक राजनीतिक परिवार के वंशज बेनिग्नो एक्विनो तृतीय का मंगलवार को निधन हो गया है। वह 61 वर्ष के थे। एक्विनो के एक रिश्ते के भाई और जनसम्पर्क अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पूर्व सीनेटर बैम एक्विनो ने कहा कि वह अपने भाई के निधन से काफी दुःखी हैं। उन्होंने कहा, ''उन्होंने अपना पूरा जीवन फिलीपीन वासियों को समर्पित कर दिया।'' परिवार के सदस्यों ने उनके निधन से जुड़ी विस्तृत जनकारी मुहैया नहीं कराई। बेनिग्नो को मंगलवार सुबह महानगर मनीला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके पूर्व कैबिनेट अधिकारी, रोजेलियो सिंगसन ने बताया कि बेनिग्नो एक्विनो का 'डायलिसिस' किया जाता था और जल्द ही उनका 'किडनी ट्रांसप्लांट' किया जाना था। एक्विनो 2010 से 2016 तक देश के राष्ट्रपति थे। वह एक राजनीतिक परिवार के उत्तराधिकारी थे, जिसे फिलीपीन में सत्तावाद के खिलाफ एक बांध के रूप में देखा जाता था। उनके पिता एवं पूर्व सीनेटर बेनिग्नो एस एक्विनो जूनियर की 1983 में मनीला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सैन्य हिरासत में हत्या कर दी गई थी। उनकी मां कोराज़ोन एक्विनो ने 1986 के ''जनशक्ति'' विद्रोह का नेतृत्व किया था, जिसके कारण तानाशाह फर्डिनेंड मार्कोस को अपदस्थ होना पड़ा था।

न्यूजीलैंड पुलिस ने गिरोहों, अपराधियों से 35.3 करोड़ डॉलर जब्त किए

वैलिंगटन, 24 जून (आईएएनएस)। न्यूजीलैंड सरकार के पुलिस मंत्री पोटो विलियम्स ने गुरुवार को कहा कि सरकार ने पिछले चार वर्षों में गिरोहों और अपराधियों से लगभग 50 करोड़ डॉलर (35.3 करोड़ डॉलर) जब्त कर चुकी है। विलियम्स ने कहा कि इन गिरोहों को हमारी कम्युनिटी का शोषण करके पैसा नहीं कमाना चाहिए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा कि सरकार संगठित अपराध और गिरोहों को बर्दाश्त नहीं करेगी और उन्हें रोकने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। मंत्री ने कहा, हमारी सफलता उन गिरोहों को मारने की हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाती है, जब उन्हें नुकसान होता है । पुलिस मंत्री ने कहा कि सरकार अपराधिक कानूनी कार्यवाही में भी संशोधन करेगी।

टीकाकरण से इनकार करने वाले 153 अमेरिकी अस्पताल के कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई

ह्यूस्टन। अमेरिकी शहर ह्यूस्टन के एक अस्पताल के कम से कम 153 कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत या तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया है, या नौकरी से निकाल दिया गया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी बुधवार को एक रिपोर्ट में टेक्सास ट्रिब्यून ने कहा कि ह्यूस्टन मेथोडिस्ट ने 153 कर्मचारियों को निकाल दिया या उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। रिपोर्टर में कहा गया है कि अप्रैल में ह्यूस्टन मेथोडिस्ट ने अपने कर्मचारियों को अपनी नौकरी बचाए रखने के लिए 7 जून तक वैक्सीन प्राप्त करने की आवश्यकता की घोषणा की थी। अस्पताल के 24,947 कर्मचारियों ने टीकाकरण कराया है। अस्पताल ने 178 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया, जो समय सीमा तक ऐसा करने में विफल रहे थे, उन्हें टीकाकरण साबित करने के लिए दो और सप्ताह का समय दिया गया था। अस्पताल के प्रवक्ता के अनुसार, उन कर्मचारियों में से पच्चीस लोगों को टीका लगाया गया था। इस महीने की शुरूआत में एक संघीय जिला अदालत के न्यायाधीश ने उन कर्मचारियों में से एक के द्वारा लाए गए मुकदमे को खारिज कर दिया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि नीति गैरकानूनी थी।

ईरान ने वेबसाइट डोमेन पर कब्जा जमाने के अमेरिका के कदम की निंदा की

तेहरान। ईरानी सरकार ने दर्जनों वेबसाइट डोमेन को जब्त करने के अमेरिका के कदम की अभिव्यक्ति की वैश्विक आजादी को कमजोर करने और मीडिया में स्वतंत्र आवाजों को चुप कराने के एक व्यवस्थित प्रयास के रूप में निंदा की है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार को एक बयान में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सईद खतीबजादेह ने वॉशिंगटन द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संबंध में दोहरे मानक को अपनाए जाने की बात को शर्मनाक कहते हुए उसकी आलोचना की। खतीबजादेह ने बयान में कहा, अमेरिका के मौजूदा प्रशासन ने ठीक पिछले प्रशासन के रास्ते का अनुसरण किया है, जिसका परिणाम और कुछ नहीं, बल्कि वॉशिंगटन को एक बार और हार का सामना करना होगा।

भारत सहित 183 देशों ने किया अमेरिका के इन प्रतिबंधों का विरोध

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत सहित 183 देशों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव का समर्थन किया है, जिसमें क्यूबा पर लगी अमेरिकी आर्थिक पाबंदियों को समाप्त करने की मांग की गई है। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि लगातार प्रतिबंध लगे रहने से बहुपक्षवाद तथा स्वयं संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता कमजोर होती है। अमेरिका और इज़राइल ही केवल इस प्रस्ताव के खिलाफ हैं, जिसे 1992 से हर साल अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा भारी समर्थन के साथ अनुमोदित किया जाता है। महासभा ने 1992 से ही हर साल इस मुद्दे पर मतदान शुरू किया था। यह प्रस्ताव लगातार 29वें साल, बुधवार को पारित हुआ, जिसमें क्यूबा के खिलाफ अमेरिका द्वारा लगाए गए आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रतिबंध को समाप्त करने की मांग की गई है। पिछले साल कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य, म्यामां, मोलदोवा और सोमालिया ने वोट नहीं किया। वहीं, कोलंबिया, यूक्रेन और ब्राजील ने उस प्रस्ताव पर मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जो '' एक बार फिर इस तरह के कानूनों तथा उपायों को लागू करने वाले देशों से, उनके कानूनी शासन के अनुसार जल्द से जल्द इन्हें निरस्त या अमान्य करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह करता है।'' संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान विश्व निकाय में भारत के स्थायी मिशन में काउंसलर मयंक सिंह ने कहा, '' अंतरराष्ट्रीय समुदाय को, प्रतिबंधों से मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रयास तेज करने की जरूरत है। भारत को उम्मीद है कि प्रतिबंध जल्द से जल्द वापस ले लिए जाएंगे।

भारत क्यूबा द्वारा पेश किए प्रस्ताव के मसौदे का समर्थन करता है।'' उन्होंने कहा, ''इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता कि इस सभा द्वारा व्यक्त की गई विश्व की राय के विपरीत, इस प्रतिबंध का निरंतर अस्तित्व, बहुपक्षवाद तथा संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता को कमजोर करता है। '' सिंह ने कहा कि बहुपक्षवाद में अटूट विश्वास के साथ दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में, भारत पूरी एकजुटता के साथ इसमें महासभा के साथ खड़ा है। इस तरह के प्रतिबंधों से प्रभावित देश की आबादी, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास पर असर पड़ता है। वे अन्य चीजों के अलावा विकास, भोजन, चिकित्सा देखभाल और सामाजिक सेवाओं के अधिकार सहित मानवाधिकारों का फायदा भी नहीं उठा पाते।

फेसबुक के ईमोजी के खिलाफ जारी हुआ फतवा, मौलाना ने कहा- अल्लाह के प्यार के लिए इस तरह की चीजें बंद करें

ढ़ाका।(एजेंसी)।

बांग्लादेश में एक मशहूर मौलाना हैं नाम है अहमदुल्ला, जिनका फेसबुक पर ऑफिशियल अकाउंट भी है और लाखों फॉलोअर्स भी हैं। अक्सर ही टीवी पर दिखाई देते हैं और ज्यादातर मुस्लिम बहुल्य बांग्लादेश में धार्मिक मामलों पर ही चर्चा करते हैं। लेकिन वो इन दिनों अपने अजीबो-गरीब फतवा को लेकर चर्चा में हैं। धर्म के नाम पर मौलाना द्वारा फतवा जारी किए जाने कि खबर तो आम है। लेकिन सोशल मीडिया पर फेमस इस मौलाना ने इमोजी के खिलाफ ही फतवा जारी कर दिया। दरअसल, मौलाना ने फेसबुक के 'हाहा' ईमोजी के खिलाफ फतवा जारी किया है। सोशल मीडिया पर फेमस मौलाना अहमदुल्ला ने फेसबुक पर लोगों का मजाक उड़ाने के लिए इस्तेमाल होने वाली इमोजी 'हाहा' के खिलाफ फतवा जारी करते हुए ऐसा करने को गलत बताया है। मौलाना ने तीन मिनट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और इसमें फेसबुक पर हाहा इमोजी के जरिए लोगों का मजाक उड़ाए जाने को लेकर बात की है। मौलाना के इस वीडियो को 20 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। उन्होंने कहा कि आप इस इमोजी का इस्तेमाल सिर्फ मनोरंजन के लिए कर रहे हैं और पोस्ट करने वाले व्यक्ति का इरादा बुरा नहीं है तो ये ठीक है। लेकिन अगर आपका इरादा सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले व्यक्ति को बदनाम करना या फिर उसे ताना मारना है तो ये इस्लाम में पूरी तरीके से हराम है। मौलाना अहमदुल्ला ने वीडियो को सोशल मीडिया पर डालकर कहा कि अल्लाह के प्यार के लिए मैं आपसे कहता हूं कि इस तरह की चीजें करना बंद करें।

इजराइल की नयी सरकार का बड़ा कदम, वेस्ट बैंक में बस्तियों के निर्माण की 31 परियोजनाओं को दी मंजूरी

यरूशलम। इजराइल के एक रक्षा मंत्रालयी निकाय ने बुधवार को वेस्ट बैंक में बस्तियों केनिर्माण की 31 परियोजनाओं को बुधवार को आगे बढ़ाया। देश की नयी सरकार के तहत कार्यभार संभालने के बाद यह पहला ऐसा कदम है। इजराइली मीडिया ने खबर दी कि सिविल प्रशासन द्वारा स्वीकृत योजना में एक खरीदारी केंद्र, विशेष जरूरतों वाला एक स्कूल और अवसंरचना की कई परियोजनाएं एवं मौजूदा वेस्ट बैंक बस्तियों में कुछ परिवर्तन शामिल हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट की नयी सरकार ने इस महीने की शुरुआत में शपथ लेकर लंबे समय तक इस पद पर रहे बेंजामिन नेतन्याहू को सत्ता से बेदखल कर दिया था। कई अंतरराष्ट्रीय समुदाय इजराइली बस्ती निर्माण को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध और फलस्तीनियों के साथ शांति स्थापित करने में बाधा मानते हैं। 1967 के मध्यपूर्व युद्ध में क्षेत्र पर कब्जा करने के बाद,इजराइल ने वेस्ट बैंक में दर्जनों बस्तियों का निर्माण किया है जहां 4,00,000 से ज्यादा इजराइली करीब 30 लाख फलस्तीनियों के साथ-साथ रह रहे हैं। फलस्तीनी वेस्ट बैंक को भविष्य के स्वतंत्र राष्ट्र के मुख्य हिस्से के तौर पर देखते हैं। दोनों पक्षों के बीच शांति वार्ताएं कई वर्षों से स्थगित हैं। अमेरिका ने इजराइल और फलस्तीन दोनों से ऐसे कार्यों से बचने की अपील की है जो शांति प्रयासों में बाधा डालते हों। इनमें बस्तियों का निर्माण भी शामिल है।

जापान का पुराना मिहामा परमाणु संयंत्र ऑनलाइन हुआ

टोक्यो (एजेंसी)।

जापान के समुद्र तट पर फुकुई प्रान्त में पुराना मिहिमा परमाणु संयंत्र ऑनलाइन वापस आ गया है। ये सरकार की अनिवार्य 40 वर्ष की सीमा से परे परिचालन के लिए पहला रिएक्टर है, जिसे 2011 फुकुशिमा परमाणु संकट के बाद चालू किया गया था। ये जानकारी स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को दी है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मिहामा संयंत्र में विवादास्पद नंबर 3 परमाणु रिएक्टर के संचालक कंसाई इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने कहा कि यूनिट को लगभग 10 वर्षों तक ऑफलाइन रहने के बाद बुधवार को फिर से चालू कर दिया गया।

संयंत्र के संचालक ने कहा कि इस दौरान रिएक्टर, जिसे 44 साल पहले पहली बार परिचालन में लाया गया था, उसमें सुरक्षा कार्य और निरीक्षण किया गया है। संयंत्र के संचालकों के अनुसार, फुकुशिमा आपदा के बाद 40 वर्ष की आयु की जापान की इकाइयों के बीच सबसे पहले पुराने रिएक्टर को वापस ऑनलाइन लाया गया, इसके इंजीनियरों ने यूनिट के अंदर से नियंत्रण छड़ें निकालना शुरू कर दिया है। परमाणु रिएक्टरों के संचालन पर सरकार द्वारा अनिवार्य 40 साल की सीमा 2011 के संकट के बाद रखी गई थी, लेकिन अगर एक रिएक्टर जापान के परमाणु विनियमन प्राधिकरण (एनआरए) द्वारा सुरक्षा जांच पास करता है, तो रिएक्टर का परिचालन जीवन साठ साल तक बढ़ाया जा सकता है। 2016 में एनआरए द्वारा मिहामा नंबर 3 यूनिट के लिए इस तरह की मंजूरी दी गई थी, जो कि स्थानीय समुदाय, जापान के निकटतम पड़ोसियों और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए बहुत अधिक है। फुकुई और क्योटो और शिगा के पड़ोसी प्रान्तों में, इस सप्ताह की शुरूआत में ओसाका जिला न्यायालय में एक मुकदमा दायर किया गया था, जिसमें मिहामा नंबर 3 रिएक्टर के निलंबन पर जोर दिया गया था। वादी के अनुसार, यदि आसपास के क्षेत्र में एक बड़ा भूकंप आता है तो मिहामा संयंत्र में नंबर 3 इकाई जैसे पुराने रिएक्टरों के खराब होने की संभावना अधिक होती है। उन्होंने तर्क दिया कि 40 साल की परिचालन सीमा का मूल रूप से सरकार द्वारा अनिवार्य, बिना किसी अपवाद के पालन किया जाना चाहिए। ये दुनिया का सबसे भूकंपीय रूप से सक्रिय भूकंप, सुनामी और ज्वालामुखियों जैसी विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं से ग्रस्त देश है।

भारत के बयान पर बोला चीन- सीमा मुद्दे को द्विपक्षीय संबंधों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने कहा कि भारत के साथ लंबित सीमा मुद्दे को शांतिपूर्ण बातचीत से सुलझाया जाना चाहिए और इसे द्विपक्षीय संबंधों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। भारत के साथ लगी सीमा पर चीन की सैन्य तैनाती को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर के मंगलवार को कतर आर्थिक मंच पर दिये गये बयान के बारे में पूछे जाने पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा कि सीमा मुद्दे को द्विपक्षीय संबंधों के साथ नहीं जोड़ा जाना चाहिए। जयशंकर ने कहा था कि भारत के साथ विवादित सीमा पर चीन की सैन्य तैनाती और बीजिंग सैनिकों को कम करने के अपने वादे को पूरा करेगा या नहीं, इस बारे में अनिश्चितता दोनों पड़ोसियों के संबंधों के लिए चुनौती बनी हुई हैं। लिजियान ने यहां मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ''हमें सीमा मुद्दे को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाना चाहिए और हमें नहीं लगता कि सीमा मुद्दे को हमारे द्विपक्षीय संबंधों से जोड़ा जाना चाहिए। सीमा के पश्चिमी सेक्टर में चीन की सैन्य तैनाती सामान्य रक्षात्मक व्यवस्था है। यह संबंधित देश द्वारा चीन के क्षेत्र के खिलाफ अतिक्रमण या खतरे को रोकने के लिए है।'' चीन के विदेश मंत्रालय ने बाद में मंत्रालय की वेबसाइट पर अपने जवाब में लिखा, ''चीन हमेशा से बातचीत के माध्यम से सीमा के मुद्दे के शांतिपूर्ण हल के लिए तैयार है और सीमा के विषय को द्विपक्षीय संबंधों से जोड़ने के विरुद्ध है।''

जयशंकर ने कहा था कि पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद से संबंधित व्यापक विषय यह है कि क्या भारत और चीन आपसी संवेदनशीलता और सम्मान पर आधारित संबंध बना सकते हैं और क्या बीजिंग सीमावर्ती क्षेत्र में दोनों पक्षों द्वारा किसी बड़े सशस्त्र बल को तैनात नहीं करने की लिखित प्रतिबद्धता का पालन करेगा। पूर्वी लद्दाख में 5 मई, 2020 को चीन और भारत के बीच सैन्य गतिरोध शुरू हुआ था और 45 साल में पहली बार दोनों पक्षों के सैनिक हताहत हुए थे। पैंगोंग झील क्षेत्र से सैनिकों की पूरी तरह वापसी की दिशा में सीमित प्रगति हुई है। दोनों पक्ष अब टकराव के बाकी बिंदुओं पर सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया के लिए वार्ता में लगे हैं। भारत विशेष रूप से हॉट स्प्रिंग्स, गोगरा और देपसांग से सैनिकों की वापसी पर जोर दे रहा है। पिछले महीने भारतीय सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने कहा था कि पूर्वी लद्दाख में टकराव के सभी बिंदुओं से सैनिकों की पूरी तरह वापसी के बिना तनाव कम नहीं हो सकता है तथा भारतीय सेना क्षेत्र में हर तरह की आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

भारत की वह स्पेशल फोर्स जो रखती है लद्दाख में चीन की हर हरकत पर नजर

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

चीन की मिलिट्री ने भारत की स्पेशल फ्रंटियर फोर्स की तर्ज पर एक खास तरह की पोस्ट तैयार

की है. इस खास फोर्स को चीन ने लद्दाख के करीब चुंबी घाटी में तैनात है. भारत और चीन के बीच एलओसी पर हुए टकराव के बाद से चीन ने तिब्बती युवाओं की भर्ती शुरू कर दी है. खबर के मुताबिक अब तक तिब्बती युवाओं वाले दो बैच की भर्ती हो चुकी है और हर मैच में 100 युवा है. इन्हें पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी के साथ ही ट्रेनिंग दी गई है.

बता दें कि भारत ने तिब्बती नागरिकों के लिए स्पेशल फोर्स काफी समय पहले ही तैयार की थी. जिसे 7 विकास बटालियन के रूप में जाना जाता है. इसबटालियन का कोड 22 है और कभी-कभी इसे इस?टैब्लिशमेट टू-टू भी कहते हैं. इस स?पेशल फोर्स में तिब्बत के निर्वासित नागरिकों को तरजीह दी जाती है. नवंबर 1962 में चीन के साथ पहले युद्ध के खत्म होने के बाद यह फोर्स अस्तित्व में आई. इस फोर्स का मुखिया उस समय बीएन बीएन मलिक को नियुक्त किया गया था. बता दें कि इस फोर्स तिब्बती नागरिकों को शामिल किया गया, जो सन् 1959 के बाद भारत में बतौर शरणार्थी आए थे और तिब्बत वापस जाकर चीन के चंगुल से उसे आजाद कराना चाहते थे. इस फोर्स ने 1971 की जंग में पाकिस्तान के खिलाफ हुए युद्ध के दौरान योगदान भी दिया था.

26/11 हमले की साजिश में शामिल तहव्वुर राणा के व्यक्तिगत प्रत्यर्पण मामले की तारीख तय

वाशिंगटन (एजेंसी)।

लॉस एंजिलिस में एक संघीय अदालत ने पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा के व्यक्तिगत प्रत्यर्पण के मामले में तारीख तय कर ली है। भारत में 2008 में मुंबई आतंकवादी हमले में संलिप्तता के कारण वह वांछित है। भारत सरकार के अनुरोध पर प्रत्यर्पण की सुनवाई लॉस एंजिलिस में मजिस्ट्रेट जज जैकलीन चुलजियान करेंगी। अदालत के रिकॉर्ड बताते हैं कि अमेरिकी सरकार ने इस सप्ताह दो बार अदालत के समक्ष सीलबंद भारतीय दस्तावेज सौंपे हैं। एक दस्तावेज बुधवार को सौंपा गया। अनुरोध पर दस्तावेजों की सामग्री को सीलबंद किया गया है। प्रत्यर्पण पर सुनवाई स्थानीय समयानुसार दिन में डेढ़ बजे और अंतरराष्ट्रीय समयानुसार शुक्रवार, 25 जून को रात दो बजे होगी। यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया के अदालतकक्ष के उपलिपिक ने बृहस्पतिवार के लिए निर्धारित सुनवाई सूची के बारे में बताया जिसमें अमेरिका सरकार बनाम तहव्वुर राणा (व्यक्तिगत हिरासत) भी शामिल है। अमेरिका ने अदालत के समक्ष कई अभिवेदनों में ''प्रत्यर्पण के प्रमाणन संबंधी अनुरोध के पक्ष में अमेरिका के जवाब'' के समर्थन में घोषणा की है।

राणा 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले में शामिल होने के मामले में भारत में वांछित है। राणा लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली का बचपन का दोस्त है। भारत के अनुरोध पर राणा को मुंबई आतंकवादी हमले में संलिप्तता के आरोप में लॉस एंजिलिस में 10 जून, 2020 को फिर से गिरफ्तार किया गया था। मुंबई हमले में छह अमेरिकी नागरिकों समेत 166 लोग मारे गये थे। भारत ने उसे भगोड़ा घोषित किया है। पाकिस्तानी मूल का 60 वर्षीय अमेरिकी नागरिक हेडली 2008 के मुंबई हमलों की साजिश रचने में शामिल था। वह मामले में गवाह बन गया था और हमले में अपनी भूमिका के लिए वर्तमान में अमेरिका में 35 साल जेल की सजा काट रहा है। अमेरिका का कहना है कि 59 वर्षीय राणा का भारत में प्रत्यर्पण भारत और अमेरिका के बीच हुई प्रत्यर्पण संधि के अनुरूप है।भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के मुताबिक, भारत सरकार ने राणा के औपचारिक प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है और अमेरिका ने प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अमेरिका सरकार ने दलील दी है कि भारत प्रत्यर्पण के लिए राणा सभी मापदंडों को पूरा करता है। अमेरिका ने कहा कि वह राणा को भारत प्रत्यर्पित करने के लिए प्रमाणन का अनुरोध करता है और प्रत्यर्पण अनुरोध में संभावित कारण स्थापित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं तथा राणा ने भारत के अनुरोध को खारिज करने के लिए कोई सबूत नहीं दिया है।

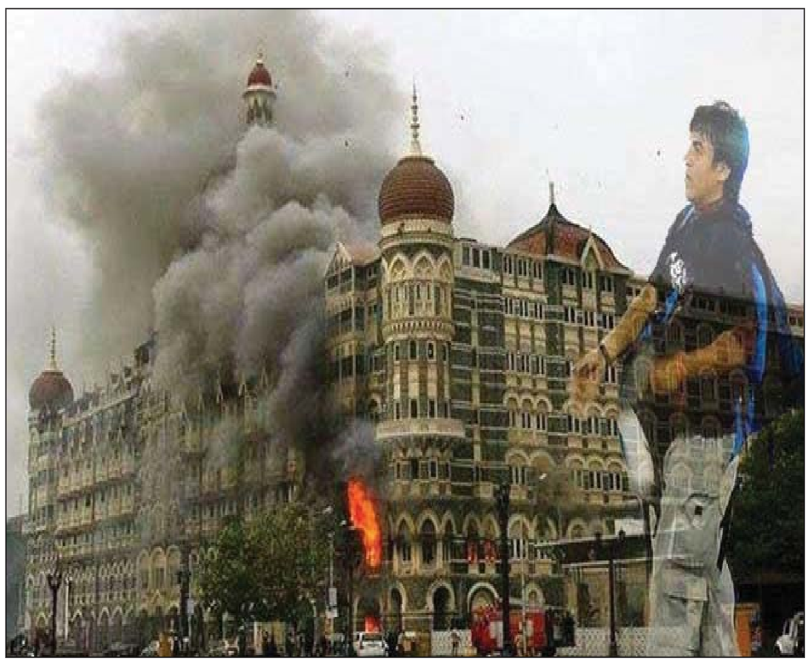

सूरत में चुनाव समिति के सदस्य भाजपा की प्रतिष्ठा के लिए लड़ रहे हैं आम आदमी पार्टी में क्रॉस वोटिंग का डर

क्रांति समय दैनिक

नगर पालिका नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के सदस्यों के लिए चुनाव से पहले ही सियासत गरमा गई थी। सदस्यता के लिए चुने गए उम्मीदवारों को लेकर भी विवाद छिड़ गया। कल होने वाले चुनाव में सभी की निगाहें निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत पर टिकी हैं. आधिकारिक रूप से घोषित नहीं होने के बावजूद भाजपा के एक पार्षद ने पार्टी में अपनी उम्मीदवारी दर्ज की थी, जो अब भाजपा के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। भाजपा से प्रेरित एक निर्दलीय उम्मीदवार ने एक फॉर्म दाखिल कर दावा किया है कि आपके कुछ पार्षद उनके संपर्क में थे।

चर्चा है कि बीजेपी के इशारे पर निर्दलीय उम्मीदवार का फॉर्म भरा गया. बीजेपी को उम्मीद है कि इससे आम आदमी पार्टी की तरफ से क्रॉस वोटिंग होगी और एक निर्दलीय उम्मीदवार की जीत होगी.

भाजपा ने होने वाले चुनाव के लिए सभी पार्षदों को प्रशिक्षित किया और मतदान कैसे करना है इसकी जानकारी दी.

भाजपा यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार है कि मतदान के दौरान कोई गलती न हो। एक तरह से इसकी ट्रेनिंग पार्षदों और बीजेपी ने दी है.

क्रॉस वोटिंग को देखिए,

आम आदमी पार्टी के सभी पार्षद ईमानदारी से अपनी पार्टी को वोट देने का बीजेपी का दावा सही है। वहीं, चर्चा है कि निर्दलीय उम्मीदवार की हार को बीजेपी की हार माना जाएगा. आप पार्षद द्वारा क्रॉस वोटिंग के कदम को देखिए, जिसे आम आदमी पार्टी के नेता खारिज कर रहे हैं।

साप्ताहिक सुपरफास्ट त्योहिार स्पेशल की सेवाएँ बहाल

अहमदाबाद होकर गुजरने वाली 5 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्ताारित

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,यात्रियों की सुविधा और उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के लिए अहमदाबाद होकर गुजरने वाली 5 जोड़ी स्पेशिल ट्रेनों के फेरों को विस्तामरित किया जा रहा है। साथ ही ट्रेन संख्या 09424/09423 गांधीधाम-तिरुनेवेली साप्ताहिक सुपरफास्ट त्योमहार स्पेशल की सेवाएँ गांधीधाम से 28 जून, 2021 से 30 अगस्त, 2021 तक और तिरुनेवेली से 1जुलाई, 2021 से 2 सितम्बर, 2021 तक बहाल की गई हैं। मण्डल रेल प्रबंधक अहमदाबाद दीपक कुमार झा के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है–

1. ट्रेन नंबर 02929 बांद्रा टर्मिनस-जैसलमेर साप्ताहिक सुपरफास्ट त्योहार स्पेशल, जिसे 25 जून, 2021 तक अधिसूचित किया गया था, अब 27 अगस्त, 2021 तक विस्तानरित की गई है।

2. ट्रेन संख्या 09027 बांद्रा टर्मिनस-जम्मू तवी साप्ताहिक स्पेशल, जिसे 26 जून, 2021 तक अधिसूचित किया गया था, अब 28 अगस्त, 2021 तक विस्ताारित की गई है।

3. ट्रेन नंबर 09205 पोरबंदर-हावड़ा द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट त्योहहार स्पेशल, जिसे 30 जून, 2021 तक अधिसूचित किया गया था, अब 26 अगस्त, 2021 तक विस्ताररित की गई है।

4. ट्रेन संख्या 09451 गांधीधाम-भागलपुर साप्ताहिक विशेष, जिसे 25 जून, 2021 तक अधिसूचित किया गया था, अब 27 अगस्त, 2021 तक विस्तोरित की गई है।

5. ट्रेन नंबर 02905 ओखा-हावड़ा साप्ताहिक सुपरफास्ट त्योवहार स्पेशल, जिसे 27 जून, 2021 तक अधिसूचित किया गया था, अब 29 अगस्त, 2021 तक

विस्ताोरित की गई है।

6. ट्रेन नंबर 02930 जैसलमेर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट त्योकहार स्पेशल, जिसे 26 जून, 2021 तक अधिसूचित किया गया था, अब 28 अगस्त, 2021 तक विस्तुारित की गई है।

7. ट्रेन संख्या 09028 जम्मू तवी-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल, जिसे 28 जून, 2021 तक अधिसूचित किया गया था, अब 30 अगस्त, 2021 तक विस्ता रित की गई है।

8. ट्रेन नंबर 02906 हावड़ा-ओखा साप्ताहिक सुपरफास्ट त्योहार स्पेशल, जिसे 29 जून, 2021 तक अधिसूचित किया गया था, अब 31 अगस्त, 2021 तक विस्तोरित की गई है।

9. ट्रेन संख्या 09206 हावड़ा-पोरबंदर द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट त्यो हार स्पेशल, जिसे 2 जुलाई, 2021 तक अधिसूचित किया गया था, अब 28 अगस्त, 2021 तक विस्ताररित की गई है।

10. ट्रेन संख्या 09452 भागलपुर-गांधीधाम साप्ताहिक त्योहार स्पेशल, जिसे 28 जून, 2021 तक अधिसूचित किया गया था,

सूरत कोर्ट में बोले राहुल गांधी ''किसी समाज को चोर नहीं कहा'', अगली सुनवाई 12 जुलाई को

क्रांति समय दैनिक

सूरत,गत लोकसभा चुनाव में एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरनेम को लेकर टिप्पणी की थी। इस मामले में उनके खिलाफ सूरत कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज करवाया गया था। आज इसी मामले में राहुल गांधी की पेशी हुई। गौरतलब है 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि 'सब मोदी चोर क्यों होते हैं?' ऐसा कहते हुए राहुल गांधी ने 'ललित मोदी, निरव मोदी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम लिया था।' राहुल गांधी की इस टिप्पणी को लेकर सूरत पश्चिम सीट से भाजपा विधायक पूर्णेश मोदी ने उनके खिलाफ अप्रैल 2019 में मानहानि का केस दर्ज कराया था। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने मोदी समाज को चोर बताया है। कोर्ट ने पूर्णेश मोदी की याचिका स्वीकार करते हुए राहुल गांधी को समन जारी किया था। जिसकी आज सूरत कोर्ट में पेशी थी। आज कोर्ट में दर्ज कराए अपने बयान में राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने किसी समाज के लिए ये बात नहीं कही, बल्कि चुनाव के दौरान एक राजनीतिक कटाक्ष किया था। राहुल गांधी ने कोर्ट को यह भी बताया कि उन्हें इस मामले में ज्यादा कुछ याद नहीं है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 12 जुलाई को मुकर्रर की है। कोर्ट में पेशी के बाद राहुल गांधी ने एक ट्वीट किया,जिसमें उन्होंने लिखा 'अस्तित्व का पूरा रहस्य यह है कि कोई डर ना हो।'

सार–समाचार

सनदी अधिकारी डॉ. जयंति रवि लिखित पुस्तक का राज्यपाल ने किया विमोचन

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने आज राज्य की वरिष्ठ सनदी अधिकारी डॉ. जयंति रवि लिखित पुस्तक ''सिल्वर ट्री : लाइफ'' का विमोचन करते हुए कहा कि सनदी अधिकारी के रूप में व्यवस्तता के बीच भी डॉ. जयंति रवि ने जीवन के अनुभवों को शब्दस्थ किया है जो पाठकों के लिए नई प्रेरणा देगा। राज्यपाल ने कहा कि परिवार के संस्कारों के कारण डॉ. जयंति रवि के व्यक्तित्व में कला, संस्कृति, संगीत, साहित्य और प्रशासन का समन्वय नजर आता है। जीवन में निरसता नहीं, परंतु उल्लास-हर्ष उनकी कार्यशैली का जमा पहलु है। इस मौके पर उपस्थित ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित साहित्यकार डॉ. रघुवीर चौधरी ने कहा कि ''सिल्वर ट्री : लाइफ'' पुस्तक में मानवीय संवेदना का व्यापक विहंगावलोकन प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने डॉ. जयंति रवि के विविध विषय और शास्त्रों के अध्ययन व संगीत प्रियता का संज्ञान लिया है। सेवा संस्थापक एवं गुजरात विद्यापीठ के कुलपति श्रीमती ईलाबेन भट्ट ने डॉ. जयंति रवि का अभिनंदन करते हुए समय की व्यस्तता के बीच भी गुजरात के सामाजिक दर्शन पेश करने के प्रयास की सराहना करते हुए अन्य अधिकारी भी अपने अनुभव पेश करेंगे, ऐसी उम्मीद जताई।

हार्दिक पटेल ने 'आप' को बताया भाजपा की 'बी' टीम

गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने आम आदमी पार्टी (आप) को भाजपा की बी टीम बताया है और कहा कि आप में शामिल होने का कोई सवाल ही नहीं है। आप में शामिल होने की अटकलों पर पूर्णविराम लगाते हुए हार्दिक पटेल ने कहा कि भाजपा, आप की मदद करती है और आप में शामिल होने की बातें मनगढ़ंत हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसी अफवाहें चलाकर गुजरात की जनता को गुमराह कर रही है। गुजरात में एक मात्र कांग्रेस ही ऐसी जो भाजपा को परास्त करने में सक्षम है। यही वजह है कि आप को भाजपा सामाजिक और आर्थिक मदद कर रही है।

हार्दिक पटेल ने दावा किया कि आगामी दिनों में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन कर सत्ता पर काबिज होगी। हार्दिक पटेल के बयान पर पलटवार करते हुए आप के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया ने कहा कि ऐसे बयान देना हार्दिक पटेल की मजबूरी है। ऐसा नहीं करेंगे तो राहुल गांधी की नजरों में नहीं आएंगे। कौन किससे मुकाबला करने में सक्षम है यह तो जनता तय करेगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कोरोना की तीसरी लहर को लेकर उद्धव सरकार की बड़ी तैयारी, हर जिले के लिए प्लान बनाने का दिया निर्देश

मुंबई। कोरोना वायरस की तीसरी लहर के मद्देनजर महाराष्ट्र में तैयारियां जोरों पर है। आज महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने स्वास्थ्य विभाग को कोविड की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए सभी जिलों में योजना बनाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सतारा, सांगली, कोल्हापुर और हिंगोली जिलों के कलेक्टरों से भी बात की। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे भी मौजूद थे। आपको बता दें कि महाराष्ट्र में सात दिन के अंतराल के बाद एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 10 हजार से अधिक (10,066) मामले सामने आए, जिसके बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 59,97,587 हो गई है। इससे पहले 16 जून को एक दिन में संक्रमण के 10,107 मामले सामने आए थे, उसके बाद से रोजाना 10 हजार से कम मामले सामने आए। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 163 और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 1,19,303 हो गई है। दिनभर में 11,032 लोगों के संक्रमण से उबरने के बाद ठीक हो चुके लोगों की कुल संख्या 57,53,290हो गई है। उपचाराधीन रोगियों की संख्या 1,21,859 है।

ममता बनर्जी ने क्रू मोदी से पूछा सवाल, कहा- जम्मू-कश्मीर से पूर्ण राज्य का दर्जा क्यों छीना गया था

नयी दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जम्मू-कश्मीर को लेकर बड़ा बयान दिया है। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से आखिर पूर्ण राज्य का दर्जा क्यों छीना गया है। ममता बनर्जी ने कहा कि दो साल तक कश्मीर में कोई जा नहीं पाया। कश्मीर को लेकर देश की बहुत बदनामी भी हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ममता बनर्जी ने कश्मीर के मसले पर बयान देते हुए सबसे पहले कहा कि मुझे तथ्यों की जानकारी नहीं है। इसके बाद उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से आखिर पूर्ण राज्य का दर्जा क्यों छीना गया है। आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर के विषय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश के क्षेत्रीय दलों की सर्वदलीय बैठक बुलाई है। जिसमें 14 नेता शामिल हैं। सर्वदलीय बैठक 7 आरसीआर में स्थित प्रधानमंत्री आवास में हुई। जिसमें गृह मंत्री अमित शाह, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी उपस्थित रहे। इस बैठक की तस्वीरें भी सामने आई हैं।

महाराष्ट्र के पालघर में 3.7 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

पालघर (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के पालघर जिला में बृहस्पतिवार को 3.7 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, हालांकि इससे किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जिले के एक अधिकारी ने इस बारे में बताया। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने बताया कि दोपहर 12 बजे से महज कुछ मिनट पहले दहानु के 25 किलोमीटर पूर्व में भूकंप महसूस किया गया। अधिकारी ने बताया कि भूकंप से किसी के हताहत होने या किसी संपत्ति को नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं है। पिछले कुछ साल से पालघर जिला के कुछ हिस्सों खासकर दहानु के पास डुंडालवाड़ी गांव में कई बार भूकंप महसूस किया गया है।

पाक पर महबूबा का बयान निजी, मुझे अपने वतन पर करनी है बात: फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अध्यक्षता में जम्मू और कश्मीर को लेकर होने वाली बैठक से पहले राजनीति तेज हो गई है। इन सबके बीच जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने बड़ा बयान दिया है। फारूक अब्दुल्ला ने साफ तौर पर कहा कि मुझे पाकिस्तान पर कोई बातचीत नहीं करनी है। मुझे अपने वतन पर बात करनी है। उन्होंने महबूबा के पाक राख से साफ तौर पर किनारा कर लिया। फारुख अब्दुल्ला ने कहा कि हमें प्रधानमंत्री से बात करनी है और अपनी बात रखनी है। एक चैनल से बातचीत में फारूक अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि पीडीपी का जो एजेंडा है उसके तहत ही महबूबा मुफ्ती बात कर रही हैं। वह एक दल की नेता है जबकि मैं दूसरे दल का नेता हूं। उन्होंने प्रधानमंत्री के आमंत्रण को भी अच्छा बताया। 370 पर मीडिया में बातचीत करने की बजाय उन्होंने कहा कि जो कुछ भी है हम प्रधानमंत्री के पास अपनी बात रखेंगे।

मुंबई में दो हजार से अधिक लोगों को लगाया गया कोरोना का फर्जी टीका, महाराष्ट्र सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बंबई उच्च न्यायालय को बृहस्पतिवार को बताया कि मुंबई में अब तक 2,000 से अधिक लोग कोविड-19 रोधी टीकाकरण के फर्जी शिविरों के शिकार बने हैं। राज्य सरकार के अधिवक्ता मुख्य लोक अभियोजक दीपक ठाकरे ने अदालत को बताया कि शहर में अब तक कम से कम नौ फर्जी शिविरों का आयोजन किया गया और इस सिलसिले में चार अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। राज्य सरकार ने इस मामले में जारी जांच संबंधी स्थिति रिपोर्ट भी अदालत में दाखिल की। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की पीठ को महाराष्ट्र की ओर से सूचित किया गया पुलिस ने अब तक 400 गवाहों के बयान दर्ज किए हैं और जांचकर्ता आरोपी चिकित्सक का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उपनगर कांदीवली की एक आवासीय सोसाइटी में फर्जी टीकाकरण शिविर लगा था, उसी मामले में एक चिकित्सक आरोपी है। ठाकरे ने कहा, ''कम से कम 2,053 लोग इन फर्जी टीकाकरण शिविरों का शिकार बने। इन शिविरों के आयोजन के मामले में चार प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

सर्वदलीय बैठक से पहले शाह ने मोदी से की मुलाकात, जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा पर की चर्चा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जम्मू-कश्मीर के नेताओं की अहम सर्वदलीय बैठक से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मोदी से मुलाकात की और घाटी में सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने दोपहर 3 बजे दिल्ली में अपने आवास पर होने वाली सर्वदलीय बैठक के लिए जम्मू-कश्मीर के मुख्यधारा के राजनीतिक दलों के 14 नेताओं को आमंत्रित किया है। सूत्रों ने कहा कि बैठक का कोई आधिकारिक एजेंडा नहीं है और यह एक स्वतंत्र चर्चा होगी। हालांकि, जम्मू-कश्मीर के नेताओं ने संकेत दिया है कि वे अनुच्छेद 370 और पूर्ण राज्य की बहाली के लिए दबाव डालेंगे। जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने के करीब दो साल बाद प्रधानमंत्री नई दिल्ली में घाटी के नेताओं की सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद से केंद्र की यह पहली पहल है। जम्मू-कश्मीर में पांच दलों के समूह पीपुल्स अलायंस फॉर गुप्कर डिक्लेरेशन (पीएजीडी) ने बैठक में भाग लेने की पुष्टि की है और इसके नेता दिल्ली पहुंच गए हैं। पीएजीडी के घटक पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती बुधवार दोपहर

दिल्ली पहुंचीं और जम्मू-कश्मीर हाउस में ठहरी हैं। नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला भी बैठक में हिस्सा लेंगे। इससे पहले, मोदी ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को आश्वासन दिया था कि कश्मीर में नया सवेरा हो गया है और पीछे मुड़कर नहीं देखा जाएगा।

सर्वदलीय बैठक से पहले नड्डा ने जम्मू-कश्मीर के भाजपा नेताओं के साथ बनाई रणनीति

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सायं तीन बजे से होने वाली मीटिंग से पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी नेताओं के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के साथ सर्वदलीय बैठक में उठने वाले मुद्दों पर चर्चा कर रणनीति बनाई गई। भाजपा मुख्यालय पर दिन में 11 बजे से हुई इस बैठक में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, जम्मू-कश्मीर की बीजेपी इकाई के अध्यक्ष रवींदर रैना, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कविंद्र गुप्ता मौजूद रहे। जम्मू-कश्मीर के प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग भी प्रमुख रूप से इस बैठक में उपस्थित रहे। उधर, जब भाजपा मुख्यालय पर जम्मू-कश्मीर के पार्टी नेताओं के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बैठक कर रहे थे, तब गृहमंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा प्रधानमंत्री आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने पहुंचे।

तेल के बढ़ रहे दामों को सोनिया गांधी ने बताया असहनीय बोझ, बोलीं- इससे आप सभी वाकिफ हैं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। आपको बता दें कि पेट्रोल की कीमत में 26 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 27 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी के साथ पूरे देश में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें नई ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। इसी बीच पेट्रोल की बढ़ी हुई कीमतों को लेकर कांग्रेस ने प्रहार किया है। कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी ने कहा कि तेल की बढ़ती कीमतों से पड़ रहे असहनीय बोझ से आप सभी वाकिफ हैं। तेल के अलावा, कई अन्य आवश्यक वस्तुओं जैसे दालों और खाद्य तेलों की कीमतें भी आसमान छू रही हैं, जिससे व्यापक संकट पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी ऐसे समय में हो रही है, जब भारी संख्या में आजीविका खत्म हो रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है और आर्थिक सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है। वहीं युवा कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए एक तस्वीर साझा की और कहा कि अबकी बार लूटजीवी मोदी सरकार ! इस तस्वीर में लिखा है कि वसूली भाई का कारनामा ! इस महीने आज 13वीं बार महंगे हुए पेट्रोल-डीजल ! दिल्ली में पेट्रोल 97.76 और डीजल 88.30 रुपए पर पहुंचा ! नमो मंत्र अर्थात लूटतंत्र ! सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा जारी मूल्य अधिसूचना के अनुसार पेट्रोल की कीमत में 26 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 27 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। इस बढ़ोतरी के साथ पूरे देश में इन पेट्रोलियम उत्पादों की दरें नई ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। दिल्ली में पेट्रोल 97.76 रुपये प्रति लीटर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि डीजल के दाम अब 88.30 रुपये प्रति लीटर है। जबकि देश के कई स्थानों पर पेट्रोल और डीजल ने शतक का आंकड़ा पार कर दिया है।

केंद्र पर नाराजगी जताते हुए बोले टिकैत, ट्रैक्टर और लोग यहीं के, चाइना या अफगानिस्तान से नहीं आए

नई दिल्ली। कृषि कानून पर किसानों का प्रदर्शन दिल्ली की सीमाओं पर 7 महीने से चल रहा है ऐसे में किसान सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए नजर आ रहे हैं। इसी बीच किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि,

चार लाख ट्रैक्टर भी यही हैं, वो 25 लाख किसान भी यही हैं। इस मसले पर राकेश टिकैत ने आईएएनएस से बात की और उन्होंने कहा कि, सरकार आंदोलन में बाहर की फंडिंग, खालिस्तानी, पाकिस्तानी बताते हैं। हम इन सब का नाम तक नहीं लेते। ये ट्रैक्टर अफगानिस्तान से नहीं आए हैं। उन्होंने आगे कहा कि, ट्रैक्टर हिंदुस्तान के थे और लोग भी यहीं के थे कोई चाइना से नहीं आया। वहीं 26 तारीख हर महीने आती है। 26 जनवरी के दिन गणतंत्र दिवस होता है, इस दिन परेड निकलती है। दरअसल तीन नए अधिनियमित खेत कानूनों के खिलाफ किसान पिछले साल 26 नवंबर से राष्ट्रीय राजधानी की विभिन्न सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान उत्पाद व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अधिनियम 2020, मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा अधिनियम 2020 और आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम 2020 पर किसान सशक्तिकरण और संरक्षण समझौता हेतु सरकार का विरोध कर रहे हैं ।

बोर्ड परीक्षा से जुड़े सवालों के जवाब देंगे शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, 25 जून को सोशल मीडिया पर होंगे लाइव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से छात्रों से संवाद करेंगे और 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा के संबंध में उनके सवालों का जवाब देंगे। कोविड-19 महामारी के फैलने के कारण 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा रद्द कर दी गई थी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में कोविड के बाद उत्पन्न समस्याओं का उपचार करा रहे निशंक ने कहा कि छात्र उन्हें अपने सवाल एवं आशंकाओं से संबंधित संदेश भेज रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने अपने ट्वीट में कहा, ''मुझे आपके ढेर सारे संदेश एवं सूचनाएं लगातार मिल रही हैं। साथ ही, आपने मेरे स्वास्थ्य के प्रति भी चिंता व्यक्त की है। इसके लिए मैं आप सबका धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहना चाहूंगा कि मैं अब स्वस्थ महसूस कर रहा हूं।'' उन्होंने कहा कि आपके जो संदेश हैं, उनमें आपकी कुछ आशंकाएं भी व्यक्त हुई हैं। लेकिन अस्पताल में चल रहे अपने उपचार के कारण आपसे संवाद नहीं कर पा रहा था।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि आपके मन में

सीबीएसई परीक्षाओं से जुड़े कोई अन्य सवाल हों तो आप मुझे ट्विटर, फेसबुक या मेल द्वारा भी भेज सकते हैं। निशंक ने कहा, '' सीबीएसई परीक्षाओं को लेकर आपके मन में जो आशंकाएं हैं, उनके संदर्भ में मैं 25 जून, 2021 को शाम 4 बजे आपको सोशल मीडिया के माध्यम से जवाब देने का प्रयास करूँगा।'' कोविड-19 महामारी के कारण सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षा को रद्द कर दिया था। बोर्ड ने परीक्षा परिणाम के संबंध में इन दोनों कक्षाओं के लिये वैकल्पिक मूल्यांकन नीति की घोषणा की है। स्कूलों से 10वीं कक्षा के अंक 30 जून तक जमा करने को कहा गया है जबकि 12वीं कक्षा के लिये स्कूलों को 15 जुलाई की समयसीमा दी गई है। सीबीएसई दसवीं कक्षा, 11वीं कक्षा और 12वीं कक्षा के परिणामों के आधार पर 12वीं कक्षा के छात्रों के अंक मूल्यांकन में क्रमशः 30:30:40 के फार्मूले पर काम कर रहा है।

भारत श्रम बल भागीदारी में स्त्री-पुरूष अंतर कम करने के लिए सामूहिक प्रयास कर रहा: गंगवार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री संतोष गंगवार ने बुधवार को कहा कि भारत श्रम बल भागीदारी में स्त्री-पुरूष अंतर कम करने के लिए सामूहिक प्रयास कर रहा है। घोषणा और रोजगार कार्य समूह प्राथमिकताओं पर यहां जी-20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की 'ऑनलाइन' बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि देश शिक्षा, प्रशिक्षण, कुशलता, उद्यमिता विकास और समान कार्य के लिए समान वेतन सुनिश्चित कर रहा है।

मंत्रालय ने गंगवार के हवाले से एक बयान में कहा कि मजदूरी पर नई संहिता, 2019 से मजदूरी, नियुक्ति और रोजगार की शर्तों में स्त्री-पुरुष आधारित भेदभाव कम होगा। सरकार द्वारा उठाये गये कदमों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सभी प्रतिष्ठानों में सभी प्रकार के कार्य के लिए महिलाएं हकदार हैं। नियोक्ताओं को उनकी सुरक्षा और काम के घंटों के प्रावधान सुनिश्चित करने होंगे। मंत्री ने कहा कि महिलाएं अब रात के समय भी काम कर सकती हैं। वेतन के साथ मातृत्व अवकाश की अवधि 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में महिला उद्यमियों को छोटे उद्यम शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता दी गई है। इस योजना के तहत बिना गारंटी के9 लाख करोड़ रुपये ऋण वितरित किए गए हैं। इस योजना में लगभग 70 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं।

मंत्री ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा संबंधी नई संहिता में अब स्वरोजगार और कार्य बल के अन्य सभी वर्गों को भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में शामिल किया जा सकता है। असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए 2019 में शुरू की गई स्वैच्छिक और अंशदायी पेंशन योजना में 60 वर्ष की आयु के बाद न्यूनतम सुनिश्चित पेंशन का प्रावधान है। गंगवार ने संयुक्त मंत्रिस्तरीय घोषणा को अपनाने का समर्थन करते हुए इस बात पर जोर दिया कि सदस्य देशों द्वारा इस तरह की पहल पूरी युवा पीढ़ी के समग्र विकास और क्षमता निर्माण के लिए काफी मददगार साबित होगी। रोजगार कार्य समूह ने महिलाओं के रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और दूरदराज के कामकाज सहित प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

कुलदीप सेंगर के करीबी को बीजेपी ने दिया जिला पंचायत अध्यक्ष का टिकट, बलात्कार पीड़िता ने लिखा राष्ट्रपति को पत्र

उन्नाव (उर प्रदेश)। (एजेंसी)।

भले ही पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर जेल में है लेकिन एक बार फिर से वह चर्चा में आ गया है। दरअसल, कुलदीप सिंह सेंगर के करीबी अरुण सिंह को भाजपा ने जिला पंचायत अध्यक्ष पद का टिकट दिया है। इसके बाद से भाजपा द्वारा औरास द्वितीय से जिला पंचायत सदस्य अरुण सिंह को अपना प्रत्याशी घोषित जाने का विरोध करते हुए मांखी बलात्कार पीड़िता ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र लिखा है। साथ ही, पीड़िता ने भाजपा नेतृत्व से सिंह के बजाय किसी अन्य को प्रत्याशी बनाने का अनुरोध किया है।

उल्लेखनीय है कि उन्नाव जिले के मांखी इलाके की रहने वाली युवती ने वर्ष 2017 में उन्नाव की बांगरमऊ सीट से भाजपा विधायक रहे कुलदीप सिंह सेंगर पर बलात्कार का आरोप लगाया था। दिल्ली की एक अदालत ने दिसंबर 2019 में इस मामले में सेंगर को उम्र कैद की सजा सुनाई थी। पीड़िता ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को बृहस्पतिवार को भेजे गए पत्र में उन्नाव जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए भाजपा द्वारा घोषित प्रत्याशी अरुण सिंह को कुलदीप सिंह सेंगर का खास बताते हुए अपने पिता की हत्या और जुलाई 2019 में खुद के साथ रायबरेली में हुए सड़क हादसे की घटना का आरोपी बताया है। पीडिता ने पार्टी नेतृत्व से अरुण के बजाय किसी और को प्रत्याशी बनाने का अनुरोध किया है। पीड़िता ने कहा कि भाजपा और उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार वैसे तो आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की बात करती है, लेकिन मेरे मामले में सरकार ने मेरे पिता की हत्या व मेरे साथ रायबरेली में घटित घटना में नामजद अभियुक्त को जिला पंचायत अध्यक्ष का अपना प्रत्याशी घोषित किया है।

पीडिता ने आरोप लगाया, '' भाजपा सरकार कुलदीप सिंह सेंगर का अब भी साथ दे रही है।'' भगवा पार्टी ने जिले के नवाबगंज ब्लॉक के निवर्तमान ब्लॉक प्रमुख एवं औरास द्वितीय से जिला पंचायत सदस्य अरुण सिंह को जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए बुधवार को अपना प्रत्याशी घोषित किया। पीड़िता ने दावा किया, ''अगर अरुण सिंह चुनाव जीत गया तो उसकी जान को खतरा और बढ़ जाएगा। पार्टी और सरकार से उसकी मांग है कि अरूण सिंह का टिकट वापस लेकर किसी अन्य को प्रत्याशी घोषित किया जाए। पीड़िता ने यह भी कहा कि उसके चाचा पुलिस हिरासत में हैं और पैरोल की मांग कर रहे हैं, लेकिन कुलदीप सिंह के रुसूख की वजह से पैरोल नहीं मिल पा रहा है और घर में किसी पुरूष सदस्य के न होने से बहनों की शादी रूकी हुयी है।

पाकिस्तान ने मछली पकड़ने वाले चीनी जहाजों को दी मंजूरी, अधर में लटका बलूच मछुआरों का भविष्य

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह के पास अरब सागर में चीन को मछली पकड़ने का अधिकार दिया है। इसके बाद अब बलूच तट पर समुद्र सैकड़ों चीनी मछली पकड़ने वाली नौकाओं से भरा हुआ है।

पाकिस्तान ने ग्वादर में चीन के मछली पकड़ने वाले जहाजों को लाइसेंस दे दिया है, जिससे अब स्थानीय मछुआरों में आक्रोश पैदा हो गया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने बताया कि सैकड़ों मछुआरों, राजनीतिक एक्टिविस्ट और नागरिक समाज के सदस्यों ने ग्वादर में चीन के मछली पकड़ने वाले जहाजों को मछली पकड़ने का अधिकार देने के लिए संघीय सरकार के खिलाफ एक विरोध रैली का मंचन किया। नेशनल पार्टी और बलूच छात्र संगठन ने विरोध का आह्वान किया था। सरकार के इस कदम के खिलाफ ग्वादर प्रेस क्लब के सामने रैली और धरना प्रदर्शन किए गए। इस कदम से बलूच के मछुआरे अपने आप को दोगुना ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्हें पहले सुरक्षा चिंताओं के कारण चीन द्वारा संचालित ग्वादर बंदरगाह के लिए उनकी भूमि से विस्थापित किया गया था। चीन के अरबों डॉलर के निवेश के बावजूद, स्थानीय लोग वंचित महसूस कर रहे हैं। अब, विशाल मछली पकड़ने वाले चीनी जहाजों के आने से वे पूरी तरह से कुचले हुए या दबाए हुए महसूस कर रहे हैं। उनकी चिंता इसलिए भी बढ़ रही है, क्योंकि चीनी जहाज कोई साधारण नौकाएं नहीं हैं। ये इस तरह की फैक्ट्री शिप हैं। चूंकि चीनी जहाजों ने अपने बड़े पैमाने पर संचालन शुरू कर दिया है, न केवल बलूचिस्तान में बल्कि पाकिस्तान के लगभग 1,000 किलोमीटर के तट पर मछुआरे अब अपनी आजीविका के लिए परेशान हैं। चीनियों ने पाकिस्तानी समुद्र तट को तहस-नहस कर दिया है। पिछले साल मछली पकड़ने वाले चीनी जहाजों को कराची बंदरगाह पर देखा गया था, जिससे सिंध में मछुआरों में डर फैल गया था। मछली पकड़ने वाले ये बड़े और भारी भरकम जहाज समुद्र में बड़े क्षेत्र में काफी बड़े जाल फैंकते हैं। ये जहाज संकरे जालों से सुसज्जित हैं, जो न केवल मछली पकड़ते हैं, बल्कि समुद्र में मौजूद विभिन्न प्रकार के अंडों को भी नष्ट कर देते है। यह समुद्र तल में भारी हलचल पैदा करते हैं, जिससे समुद्री खाद्य श्रृंखला भी नष्ट हो जाती है। पाकिस्तानी मछुआरा समुदाय चिंतित है, क्योंकि प्रत्येक चीनी पोत एक पाकिस्तानी नाव की तुलना में दस गुना अधिक मछली पकड़ सकता है। चिंता की बात यह है कि चीनी जहाजों के प्रवेश से बलूच और सिंधी मछुआरों के बीच बड़े पैमाने पर बेरोजगारी बढ़ेगी। पाकिस्तानी मछुआरों की चिंता इस बात को लेकर भी है कि गहरे समुद्र में मछली पकड़ना न केवल बड़े पैमाने पर की जाती है, बल्कि यह विनाशकारी भी है। पाकिस्तान ने अपना विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) चीनी मछली पकड़ने वाली कंपनियों के लिए खोल दिया है। फिशरमेन को-ऑपरेटिव सोसाइटी (एफसीएस) के चेयरमैन अब्दुल बेर ने अरब न्यूज को बताया कि चीन पाकिस्तानी मछली पकड़ने के उद्योग को अपग्रेड करने और उसके निर्यात को बढ़ाने में मदद करेगा। बेर ने कहा, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए चीनी जहाज लाना सरकार की गहरे समुद्र में मछली पकड़ने की नीति के अनुरूप है और इसका उद्देश्य स्थानीय मछुआरों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के अलावा मछली पकड़ने का उन्नयन और आधुनिकीकरण करना है। आठ जून को विश्व महासागर दिवस से ठीक पहले मई 2020 में ओवरसीज डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (ओडीआई) द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन का डिस्टेंट वाटर फिशिंग (डीडब्ल्यूएफ) बेड़ा पहले की तुलना में पांच से आठ गुना बड़ा हो चुका है। ओडीआई ने लगभग 17,000 जहाजों के बेड़े का अनुमान लगाया है। ओडीआई रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चीन के डीडब्ल्यूएफ बेड़े का स्वामित्व और परिचालन नियंत्रण जटिल और अपारदर्शी दोनों है। ओडीआई के 6,122 जहाजों के एक उप-नमूने के विश्लेषण में पाया गया कि केवल आठ कंपनियां 50 से अधिक जहाजों के स्वामित्व या संचालन करती हैं। जटिल कंपनी संरचनाएं और पारदर्शिता की कमी निगरानी और नियामक प्रयासों में बाधा डालती है। इससे कदाचार के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना मुश्किल हो जाता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)